हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 17, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 15 जुलाई, 2023 दिन शनिवार गाजीपुर/वाराणसी

यूरोप का बाजार कर रहा यूपी के आम का इंतजार, गुणवत्ता बढ़ाएं : योगी

आम महोत्सव 2023 का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया उद्घाटन

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आम महोत्सव 2023 का उद्घाटन करते हुए कहा कि यूपी का आम आज विश्व भर में पसंद किया जा रहा है। मास्को दुबई और बहरीन इसका उदाहरण है। अब यूरोप का बाजार आपका इंतजार कर रहा है आप शॉर्टकट न अपनाएं और गुणवत्ता पर ध्यान दें डिमांड के हिसाब से ही प्रोडक्ट तैयार करें। सीएम अवध शिल्प ग्राम में आयोजित आम महोत्सव में संबोधन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में 1000 वैरायटी के आम उत्पादित होते हैं। उत्तर प्रदेश में केवल उत्तर प्रदेश की जनता ही नही बल्कि पूरे देश के साथ विश्व भर के देशों में मांग पूरी करने में सफल हो सकता है। जो प्रयास शुरू किए गए हैं उनके असर आने शुरू हो गए हैं। उन्होंने कहा कि बीज से बाजार की दूरी कम करने के लिए सरकार सहयोग देने को तैयार है। इसके लिए चार स्थानों पर पैकहाउस बनाए गए हैं। निर्यात में सुविधा देने से कई देशों में नए बाजार बने हैं। अभी हाल ही मास्को में उत्तर प्रदेश का आम हाथों-हाथ लिया गया। सीएम ने

महोत्सव के दौरान ही 12 टन आम बहरीन, एक टन दुबई तथा दो टन मास्को के लिए भी रवाना किया। इन किसानों को किया सम्मानित सहारनपुर के राज सिंह, बुलंदशहर के राकेश त्यागी, बागपत के कृष्ण पाल सिंह, अमरोहा के योगेश्वर सिंह, प्रतापगढ़ के राकेश चंद्र बाराबंकी के शंभू नाथ, हरदोई के अंजय कुमार, सीतापुर के फहज फारूखी, मलिहाबाद के अरुण कुमार सिंह, वाराणसी के अनिल सिंह एवं अमरोहा के किसान नदीम सिद्दीकी को सीएम ने सम्मानित किया। इसके अलवा बहरीन से लतेश भाटिया, कैप्टन अकरम बेग, रोशन लाल गुप्ता, मोहम्मद सोहेल, सबसे ज्यादा आम के प्रदर्शन करने वाले एससी शुक्ला और लुलु ग्रुप के जीजो जोस अलापट को सम्मानित किया।

सीएम योगी ने जाना पीड़ितों का हाल, बांटी राशन किट, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया हवाई निरीक्षण

सहारनपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले सरसावा एयरपोर्ट पर पहुंचे। वहां से हेलीकॉप्टर के जरिए चिलकाना पहुंचे। यहां पर बाढ़ पीड़ितों को राशन किट का वितरण कर उनका हाल जाना। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का हवाई निरीक्षण भी किया। चिलकाना से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहारनपुर की पुलिस लाइन में हेलीकॉप्टर से आएंगे और इसके बाद जेवी जैन डिग्री कॉलेज में बनाए गए राहत शिविर में बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात करेंगे। जिला प्रशासन ने सुरक्षा की दृष्टि से जेवी जैन डिग्री कॉलेज को पूरी तरह से बंद कर दिया है। पुलिस लाइन में जिलाधिकारी डॉक्टर दिनेश चंद्र, एसएसपी विपिन ताडा और अन्य जिला प्रशासनिक अधिकारी मौजूद हैं। बताया गया कि सभी अधिकारी मुख्यमंत्री का इंतजार कर रहे हैं। वहीं भाजपा के कुछ पदाधिकारी भी पुलिस लाइन में मौजूद हैं, जिसमें देवबंद से विधायक एवं मंत्री कुंवर बृजेश सिंह, विधायक कीरत सिंह शामिल है।

लाभदायक व्यवसाय बन सकती है कृषि : अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्रई अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि विपणन को मजबूत करके देश की जीडीपी में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के योगदान को और बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इसके किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) प्रमुख हैं। उन्होंने कहा कि 65 करोड़ से अधिक किसानों की आबादी वाले देश में सहकारिता आंदोलन को पुनर्जीवित करना, आधुनिक बनना, पारदर्शिता लाना और नई ऊंचाइयों को छूने के लिए लक्ष्य बनाना आवश्यक है, क्योंकि कृषि और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में सहकारिता ही एकमात्र ऐसा आंदोलन है जिसके माध्यम से समृद्धि को हर व्यक्ति तक पहुंचाया जा सकता है। बता दें कि अमित शाह सहकारी क्षेत्र में फार्मर प्रोड्यूस ऑर्गनाइजेशन (एफपीओ) विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले दिनों में अधिक से अधिक प्राथमिक कृषि ऋण समितियां (पैक्स) को एफपीओ की ओर रुख करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर पैक्स एफपीओ की ओर रुख करना चाहते हैं तो एनसीडीसी और जिला सहकारी बैंक उनकी मदद करेंगे। एफपीओ की ओर रुख करने के लिए पैक्स पर कोई सीमा नहीं है। शाह ने आगे कहा कि जब नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने किसानों के कल्याण और समृद्धि के लिए कई कदम उठाए। ऐसा ही एक कदम था एफपीओ।

चंद्रयान-3 पृथ्वी की कक्षा में पहुंचा: 40 दिन बाद चांद पर उतरेगा

नई दिल्ली। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन यानी इसरो ने आज शुक्रवार (14 जुलाई) को चंद्रयान-3 मिशन सक्सेसफुली लॉन्च किया। दोपहर 2 बजकर 35 मिनट पर सतीश धवन स्पेस सेंटर से LVM3-M4 रॉकेट के जरिए चंद्रयान को स्पेस में भेजा गया है। 16 मिनट बाद रॉकेट ने इसे पृथ्वी की ऑर्बिट में प्लेस किया। इसरो चीफ एस सोमनाथ ने इस सक्सेसफुल लॉन्च के बाद कहा कि चंद्रयान 3 ने चंद्रमा की ओर अपनी यात्रा शुरू कर दी है। चंद्रयान-3 स्पेसक्राफ्ट के तीन लैंडर/रोवर और प्रोपल्शन मॉड्यूल हैं। करीब 40 दिन बाद, यानी 23 या 24 अगस्त को लैंडर और रोवर चांद के साउथ पोल पर उतरेंगे। ये दोनों 14 दिन तक चांद पर एक्सपेरिमेंट करेंगे। प्रोपल्शन मॉड्यूल चंद्रमा के ऑर्बिट में रहकर धरती से आने वाले रेडिएशन्स की स्टडी करेगा। मिशन के जरिए इसरो पता लगाएगा कि लूनर सरफेस कितनी सिस्मिक है, सॉइल और डस्ट की स्टडी की जाएगी।

भारत ऐसा करने वाला चौथा देश बन जाएगा- अगर मिशन सक्सेसफुल रहा तो अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत ऐसा करने वाला चौथा देश बन जाएगा। अमेरिका और रूस दोनों के चंद्रमा पर सक्सेसफुली उतरने से पहले कई स्पेस क्राफ्ट क्रैश हुए थे। चीन 2013 में चांग'ई-3 मिशन के साथ अपने पहले प्रयास में सफल होने वाला एकमात्र देश है।

आदिपुरुष फिल्म के बजट से सस्ता चंद्रयान-3- चंद्रयान-3 का बजट लगभग 615 करोड़ रुपए है, जबकि हाल ही में आई फिल्म आदिपुरुष की कॉस्ट 700 करोड़ रुपए थी। यानी चंद्रयान-3 इस मूवी की कॉस्ट से करीब 85 करोड़ रुपए सस्ता है। इससे 4 साल पहले भेजे गए चंद्रयान 2 की लागत भी 603 करोड़ रुपए थी। हालांकि, इसकी लॉन्चिंग पर भी 375 करोड़ रुपए खर्च हुए थे।

भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक नया अध्याय- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चंद्रयान-3 की सक्सेसफुल लॉन्चिंग के बाद इसे भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक नया अध्याय बताया। उन्होंने ये भी कहा कि यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हमारे वैज्ञानिकों के अथक समर्पण का प्रमाण है। मैं उनकी भावना और प्रतिभा को सलाम करता हूं!

अतीक-अशरफ हत्याकांड : दो हजार पेज की केस डायरी, 56 पन्नों की चार्जशीट में सनी सिंह को बताया गया मास्टर माइंड

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या के मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) ने बृहस्पतिवार को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में आरोप पत्र प्रस्तुत कर दिया। पहले जहां लवलेश तिवारी को इस शूटआउट कांड का सरगना बताया जा रहा था, वहीं चार्जशीट में मास्टर माइंड सनी सिंह को बनाया गया है। सबसे अहम बात यह रही कि तीन महीने की लंबी मशक्कत के बाद भी एसआईटी इस सनसनीखेज हत्याकांड को अंजाम देने वाले तीनों शूटरों के एक भी मददगार के नाम का खुलासा नहीं कर सकी। शाम को दाखिल किए गए आरोप पत्र का संज्ञान लेते हुए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट दिनेश कुमार गौतम ने तीनों आरोपियों को 14 जुलाई को अदालत के समक्ष हाजिर होने का आदेश दिया है। तीनों आरोपियों सनी सिंह, लवलेश तिवारी और अरुण मौर्य की न्यायिक अभिरक्षा की अवधि 14 जुलाई को समाप्त हो रही है। इसके ठीक एक दिन पूर्व ही आरोप पत्र

न्यायालय में दाखिल किया गया। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट दिनेश कुमार गौतम ने पुलिस की ओर से प्रस्तुत किए गए विवेचना के परिणाम, आरोप पत्र के साथ संलग्न तकरीबन दो हजार पेज की केस डायरी, प्रथम सूचना रिपोर्ट, नक्शा नजरी, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, चालान, फोटो, परीक्षण रिपोर्ट सहित अन्य दस्तावेजों का अवलोकन किया।

इसके बाद अदालत ने कहा कि अपराध का संज्ञान लिए जाने का पर्याप्त आधार है। अदालत ने आरोपियों को 14 जुलाई को न्यायालय के समक्ष पेश करने का आदेश दिया, ताकि उन्हें अभियोजन पत्रों की नकल उपलब्ध कराई जा सके और मामले को विचारण के लिए सत्र न्यायालय को सुपुर्द किया जा सके। उधर, दो हजार पेज की केस डायरी और 56 पेज के आरोप पत्र में पुलिस ने कहा है कि सनी सिंह ही हत्याकांड का मास्टरमाइंड है। अतीक और अशरफ की हत्या के बाद तीनों आरोपियों को घटनास्थल पर ही पकड़ा गया है। लवलेश तिवारी, सनी और अरुण मौर्य के खिलाफ विवेचना के दौरान पर्याप्त साक्ष्य मिले हैं, लिहाजा आरोपियों को दंडित करें।

भाजपा नेता विजय सिंह का फतुहा में हुआ अंतिम संस्कार, नम आंखों से नेताओं ने दी विदाई

पटना। भाजपा नेता विजय सिंह का शुक्रवार को अंतिम संस्कार हो गया। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा समेत भाजपा के कई नेता मौजूद रहे। भाजपा नेता विजय सिंह की मौत पर बिहार भाजपा ने ट्वीट कर लिखा 'नम आंखों से विजय जी को अंतिम विदाई !बिहार के शिक्षकों, नौजवानों, किसानों और महिलाओं की आवाज उठाते हुए महागठबंधन सरकार की लाठी से बलिदान हुए भाजपा कार्यकर्ता विजय सिंह जी की अंत्येष्टि फतुहा घाट पर हुई। पार्टी के सभी वरिष्ठ नेतागण और हजारों-हजार की संख्या में उपस्थित कार्यकर्ता और आम जनमानस शामिल होकर नम आंखों से विदाई दी। बिहार भाजपा ने लिखा कि भाजपा उनके बलिदान को जाया नहीं होने देगी। बता दें कि पटना में भजपा नेता और जहानाबाद जिले के महामंत्री विजय कुमार सिंह की मौत हो गई। भाजपा ने आरोप लगाया कि पुलिस के लाठीचार्ज के दौरान विजय कुमार सिंह घायल हो गए थे। उसके बाद उन्होंने दम तोड़ दिया। वहीं, पटना पुलिस का दावा है कि जहां लाठीचार्ज किया गया, वहां भाजपा नेता मौजूद नहीं थे। एसएसपी ने कहा कि वे डाकबंगला की तरफ जा रहे थे, लेकिन भगदड़ मच गई। इससे पहले कि विजय डाकबंगला चौराहे पर जाते, मूर्छित होकर गिर गए। एसएसपी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज की प्रारंभिक जांच में पाया गया कि दोपहर 1:22 बजे वे दो लोगों के साथ डाकबंगला की तरफ जाते दिख रहे हैं। इस बीच उन्होंने रास्ते में एक स्कॉर्पियो चालक से भी बात की। दोपहर 1:23 से 1:28 बजे वे मूर्छित होकर ट्रांसफार्मर के पास गिर गए। हालांकि, उस जगह पर कैमरा नहीं था। उन्हें रिक्शा से नर्सिंग होम जाते भी देखा गया है। उनके साथ रहे दो लोगों की पहचान कर बयान दर्ज किया गया। इधर, विजय कुमार सिंह की मौत को लेकर बिहार विधानसभा का मानसून सत्र चौथे दिन भी हंगामेदार रहा। भाजपा नेताओं ने जमकर प्रदर्शन किया। जिसके बाद मार्शल ने भाजपा नेता संजय सिंह को सदन से बाहर कर दिया।

नदी में डूबे 4 लोगों की मौत: गोताखोरों ने निकाले शव घटनास्थल पर पहुंचे डीएम, पल भर में उजड़ गई खुशियां

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर में बरसाती नदी में आए तेज बहाव ने कहर मचाया हुआ है। नदी में आए तेज बहाव के कारण एक टेंपो पानी में डूब गया, जिससे दो महिलाओं व दो मासूम बच्चों की मौत हो गई। वहीं, गोताखोरों ने चारों शवों को बाहर निकाल लिया है। उधर, परिवार व गांव में मातम पसरा है। बिजनौर के नगीना में गुरुवार रात को बरसाती नदी में पानी के तेज बहाव के चलते एक टेंपो पानी में डूब गया था। वहीं, टेंपो में सवार दो महिलाओं व दो बच्चियां डूब गईं, जबकि बच्चों के पिता ने किसी तरह अपनी जान बचा ली। बताया गया कि पानी में डूबने से दो महिलाओं और दोनों बच्चियों की मौत हो गई हैं। पुलिस ने चारों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए बिजनौर भेज दिया। नगीना के मोहल्ला कलालान निवासी अनवर पुत्र अब्दुल जब्बार अपनी पत्नी रूबी (27), बहन सानवी व पुत्री उमेदा (3) व आयशा डेढ़ वर्ष के साथ अपने टेंपो

से दवाई लेने पुरैनी गया था। इसके बाद वह दवाई लेकर रात में करीब 9:30 बजे वापस लौटने के दौरान टोल प्लाजा पर टैक्स बचाने के चक्कर में ग्राम कोटरा के रास्ते वापस आ रहा था। इसी बीच रास्ते में पोधाई नदी पर काफी जलभराव होने के कारण सड़क दिखाई नहीं दी और वे टेंपो सहित नदी में गिर गए। वहीं, अनवर तो पानी से किसी तरह बचकर बाहर निकल गया लेकिन, पत्नी व बहन और दोनों बच्चियां पानी में बह गए। पुलिस ने अनवर की बहन व पत्नी के शवों को रात में ही निकाल लिया था लेकिन, दोनों बच्चियों के शवों को शुक्रवार सुबह कड़ी मशक्कत के बाद गोताखोरों ने पानी से निकाला। पुलिस ने चारों शवों को पोस्टमार्टम के लिए बिजनौर भेज दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद एसडीएम शैलेंद्र कुमार सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी संग्राम सिंह, थाना प्रभारी निरीक्षक रविंद्र वशिष्ठ, चेयरपर्सन पुत्र शेख शाहनवाज खलील मौके पर पहुंचे और परिवार को हर संभव मदद का भरोसा दिया। बताया जाता है कि अनवर अपने इसी टेंपो से गांव-गांव सब्जी बेचकर परिवार का पालन-पोषण करता हैं।

सिसोदिया की जमानत याचिका पर 28 को होगी सुनवाई सीएम शिंदे की अयोग्यता के मामले में नोटिस जारी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को शिवसेना के उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले गुट की शिंदे समेत 16 विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिका को लेकर एक नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष से याचिका पर दो हफ्ते में जवाब मांगा है। वहीं, शराब नीति केस में दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर आज सुनवाई हुई। कोर्ट ने दोनों जांच एजेंसियों को 28 जुलाई तक जवाब दाखिल करने को कहा है। दरअसल, उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना के सांसद सुनील प्रभु ने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले बागी विधायकों के खिलाफ लंबित अयोग्यता याचिकाओं पर शीघ्र निर्णय लेने के लिए महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष को निर्देश देने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। अयोग्यता संबंधी याचिकाएं एक साल से अधिक समय से लंबित हैं। सुप्रीम कोर्ट में आज शराब नीति केस में जेल में बंद दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने दोनों जांच एजेंसियों को 28 जुलाई तक जवाब दाखिल करने को कहा है। मनीष ने 6 जुलाई को जमानत याचिका दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजीव खन्ना और बेला एम त्रिवेदी की बेंच ने मनीष की जमानत अर्जी पर सुनवाई की।

लोकसभा चुनाव-24 में यूपी की 80 सीटों के लिए भाजपा की मास्टर प्लानिंग, बूथ का ढांचा मजबूत करने पर फोकस

लखनऊ। अगले वर्ष होने वाले लोक सभा चुनाव की तैयारियों में जुटी भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व प्रदेश प्रभारी राधा मोहन सिंह ने गुरुवार को भाजपा के लखनऊ महानगर कार्यकताओं को बूथ सशक्तीकरण का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि बूथ समिति की संरचना सामाजिक दृष्टि से सर्वस्पर्शी और समावेशी होनी चाहिए। तभी बूथ समिति प्रभावकारी सिद्ध होगी। भाजपा के महाजनसंपर्क अभियान के तहत लखनऊ के डालीगंज क्षेत्र की उमराव सिंह धर्मशाला में पार्टी कार्यकताओं के साथ टिफिन बैठक में उन्होंने पार्टी के मेरा बूथ सबसे मजबूत अभियान का जिक्र किया और कहा कि बूथ जीतकर ही चुनाव जीता जा सकता है। बूथ ही चुनाव में विजय का मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होंने बूथ समिति में क्षेत्र की सभी प्रमुख जातियों के कार्यकताओं के साथ महिला सदस्यों को शामिल करने की वकालत की। कहा कि बूथ का ढांचा सर्वस्पर्शी होना चाहिए। मजबूत और प्रभावी बूथ संरचना से चुनाव में हम बड़े लक्ष्य हासिल करेंगे। उन्होंने कार्यकताओं से अनथक परिश्रम करने और पार्टी की विचारधारा तथा मोदी-योगी सरकारों की उपलब्धियों व साहसिक निर्णयों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यकताओं के साथ सहभोज के दौरान उन्होंने मोदी सरकार के नौ वर्षों के सुशासन और गरीब कल्याण को

समर्पित कार्यों की चर्चा की। बैठक में मौजूद अवध क्षेत्र के अध्यक्ष कमलेश मिश्रा ने कहा कि भारत में भोजन के दौरान परिवार के वरिष्ठजनों के साथ बैठकर विभिन्न विषयों पर चर्चा करने की परंपरा रही है। उसी विचारधारा के अनुरूप पार्टी के वरिष्ठजनों के साथ निरंतर टिफिन बैठकों का आयोजन रहा है। भाजपा के महानगर अध्यक्ष मुकेश शर्मा ने कहा कि लखनऊ महानगर में महाजनसंपर्क अभियान के तहत पार्टी कार्यकर्ता निरंतर घर-घर जाकर लोगों से संपर्क कर रहे हैं। मोदी-योगी सरकारों की योजनाओं की चर्चा कर पार्टी के पत्रक जनता तक पहुंचा रहे हैं। शैक्षणिक संस्थाओं में भी संपर्क अभियान प्रारंभ किया जा रहा है जिसमें कार्यकर्ता संस्थाओं के प्रमुखों से संपर्क करने के साथ अध्यापकों, स्टाफ और विद्यार्थियों को मिस्ड काल दिला कर पार्टी से जोड़ने का अभियान चलाएंगे।

इससे पहले भाजपा के संपर्क से समर्थन अभियान के अंतर्गत राधा मोहन सिंह ने डालीगंज क्षेत्र में प्रतिष्ठित व्यवसायी व समाजसेवी आशीष अग्रवाल और डा. आनंद नारायण से मुलाकात की और उन्हें मोदी सरकार की नौ वर्षों की उपलब्धियों पर आधारित पुस्तक भेंट की। दोनों से टोल फ्री नंबर 9090902024 पर मिस्ड काल करा कर उन्हें पार्टी से जोड़ा। संपर्क के दौरान क्षेत्रीय अध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष भी उनके साथ थे।

श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क में चीता सूरज का मिला शव, अब तक आठ चीतों की मौत

श्योपुर। कूनो नेशनल पार्क में चीतों की मौत का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार को चीता प्रोजेक्ट को बड़ा झटका लगा है। कूनो नेशनल पार्क में एक और चीता मृत पाया गया है। बता दें कि सूरज नाम के नर चीते का पार्क में शव मिला है। उसे दक्षिण अफ्रीका से लाया गया था। गश्ती दल को सुबह में शव मिला, इसके बाद परियोजना में शामिल अधिकारी सदमे में आ गए हैं। बताते चलें, तीन दिन पहले ही तेजस नामक के चीते की मौत रहस्यमयी तरीके से हो गई थी। अभी तेजस की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सामने नहीं आई है। रिपोर्ट आने के बाद मौत की वजह सामने आ पाएगी। तेजस भी दक्षिण अफ्रीका से ही आया था। पांच साल की उम्र में वह दर्दनाक सदमे का शिकार हो गया। उसका वजन केवल 43 किलो था। सामान्य तौर पर चीतों का वजह 50-60 किलो होता है। तेजस के आंतरिक अंग गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त था। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 सितंबर 2022 को कूनो नेशनल पार्क में नामीबिया से आए आठ चीतों को जंगल में छोड़ा था। आठ नामीबिया और 12 चीता दक्षिण अफ्रीका से लाए गए

थे। इसके साथ ही मादा चीता ने तीन शावकों को जन्म दिया था। इनमें सभी शावकों की मौत हो गई है। साथ ही पांच बड़े चीतों की मौत हो गई है। कूनो नेशनल पार्क में अभी 15 चीते बचे हैं। ऐसे में चीता प्रोजेक्ट से जुड़े लोगों की चिंता बढ़ गई है। सूरज के पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद साफ होगा कि इसकी मौत कैसे हुई है।

संपादकीय

आयुध की खरीदारी से भारतीय सेना की सामरिक शक्ति और बढ़ने की उम्मीद

प्रधानमंत्री की फ्रांस यात्रा से पहले रक्षा मंत्रालय ने नौसेना के लिए छब्बीस रफाल लड़ाकू विमान और तीन स्कार्पीन श्रेणी की पनडुब्बियां खरीदने को मंजूरी दे दी है। कयास है कि प्रधानमंत्री इसके सौदों को लेकर फ्रांस से बातचीत करेंगे और सौदे की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा सकेगा। इस खरीद में करीब नब्बे हजार करोड़ रुपए खर्च का अनुमान है। इससे पहले वायुसेना के लिए छत्तीस रफाल लड़ाकू विमान खरीदे जा चुके हैं। इस तरह भारतीय सेना की सामरिक शक्ति और बढ़ने की उम्मीद जगी है। हालांकि पिछली रफाल खरीद में अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगे थे, जिनसे अभी तक सरकार का पीछा छूटा नहीं है। बेशक सर्वोच्च न्यायालय उसमें सरकार को पाक-साफ करार दे चुका है। इसलिए स्वाभाविक ही नए सौदों पर भी लोगों की नजर बनी रहेगी। मगर रक्षा सौदों की खरीद संबंधी सेना के विशेषज्ञों की परिषद ने रफाल को भारतीय सेना के लिए उपयुक्त माना है। इस सौदे की दौड़ में अमेरिकी कंपनी बोइंग का लड़ाकू विमान भी था, पर विशेषज्ञों ने उसे तकनीकी रूप से ठीक नहीं पाया। इनमें से बाईस रफाल नौसेना को मिलेंगे। पिछले चार सालों से आइएनएस विक्रांत पर तैनात करने के लिए नए लड़ाकू विमानों की मांग की जा रही थी। अभी तक रूसी विमान मिग उस पर तैनात हैं, पर वे पुराने हो चले हैं। रफाल की बनावट समुद्री इलाकों को ध्यान में रख कर तैयार की गई है। वे आइएनएस विक्रांत की जरूरतों के हिसाब से मुफीद बैठते हैं। अमेरिका लड़ाकू विमानों की तुलना में इनका प्रदर्शन भी बेहतर माना जा रहा है। इसलिए रफाल का चुनाव किया गया। इसके पक्ष में सेना का एक तर्क यह भी है कि चूंकि वायुसेना पहले ही रफाल के रखरखाव का आधारभूत ढांचा तैयार कर चुका है, इसलिए इनके रखरखाव पर अलग से खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस तरह काफी पैसा बचेगा। आइएनएस विक्रांत की जरूरतों के मुताबिक स्वदेशी लड़ाकू विमान तैयार होने में अभी काफी वक्त लगेगा, इसलिए तत्काल रफाल की खरीद जरूरी थी। दरअसल, वायुसेना में ज्यादातर लड़ाकू विमान अब पुराने हो चुके हैं और उन्हें धीरे-धीरे सेवा से बाहर किया जा रहा है। वायुसेना लंबे समय से नए विमानों के बेड़े की मांग कर रही थी। इसी के मद्देनजर पिछली सरकार के समय ही रफाल की खरीद का निर्णय लिया जा चुका था। अब उनकी खेप आनी शुरू हुई है। अब दुनिया में सामरिक शक्ति का आकलन इससे किया जाता है कि किसी देश की हवाई ताकत कितनी है। भारत की भौगोलिक बनावट कुछ ऐसी है कि यहां थल, जल और वायु तीनों क्षेत्रों में अपनी ताकत मजबूत बनाए रखने की जरूरत पड़ती है। समुद्री क्षेत्र में पिछले कई सालों से पाकिस्तान और चीन से गंभीर चुनौतियां मिलती रही हैं। ऐसे में जब आइएनएस विक्रांत को समुद्र में उतारा गया, तो इन चुनौतियों से पार पाने की ताकत काफी बढ़ गई। अब उस पर अत्याधुनिक साजो-सामान से लैस रफाल विमान तैनात होंगे, तो भारत की सामरिक शक्ति और बढ़ जाएगी। चीन और पाकिस्तान तब आंख दिखाने से पहले कई बार सोचेंगे। अत्याधुनिक साजो-सामान से लैस होने से सेना का मनोबल भी बढ़ता है। चुनौतियों से पार पाने को लेकर उसमें उत्साह बना रहता है। नौसेना को तीन अत्याधुनिक पनडुब्बियां मिलने से निस्संदेह उसका मनोबल बढ़ेगा। मगर जैसा कि प्रायः रक्षा सौदों में अनियमितताओं के आरोप उभर आते हैं, उम्मीद की जाती है कि सरकार इस बार ऐसी स्थिति से बचने का प्रयास करेगी।

दे दो तनिक ध्यान!

छोड़ कर ये झगड़े ।
कर लो थोड़ा काम ।।
तज कर राजनीति ।
पा लो कुछ मुकाम ।।
तू तू मैं मैं रोक कर ।
दे दो तनिक ध्यान ।।
डूब रही है दिल्ली ।
ना बनो महान ।।
दो दो हाथ कर लेना ।
खोजो समाधान ।।
पहुंच जाए राहत ।
डालो इसमें जान ।।
है यह किसका क्षेत्र ।
ना छेड़ो ये तान ।।
मान मनौव्वल ना कराओ ।
हैं फंसे इंसान ।।

–कृष्णेन्द्र राय

ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद स्कूलों में शुरू हुए नये शिक्षा सत्र का अभिनंदन है

शिक्षण संस्थानों में नया शिक्षा सत्र प्रारंभ हो चुका है। प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में प्रायः नया शिक्षा सत्र अप्रैल महीने में आरंभ हो जाता है, किन्तु उच्च शिक्षा के संस्थानों में जुलाई से ही नये शिक्षा सत्र का प्रारंभ होता है। यदि देखा तो वास्तव में सभी शिक्षण संस्थानों में नया शिक्षा सत्र जुलाई महीने में ही आरंभ होता है। इससे पूर्व का समय तो शिक्षण संस्थानों में प्रवेश लेने, पुस्तकें, स्टेशनरी, बैग और यूनिफॉर्म आदि खरीदने में व्यतीत हो जाता है। जो समय मिलता है, उसमें विद्यार्थी अपनी नई पुस्तकों से परिचय करते हैं। प्रायः विद्यार्थी भाषा की पुस्तकें पढ़ते हैं, क्योंकि उनमें कहानियाँ और कविताएं होती हैं, जो बच्चों को अति प्रिय हैं।

कुछ समय विद्यालय जाने के पश्चात ग्रीष्म कालीन अवकाश आ जाता है। यह ग्रीष्म कालीन अवकाश ग्रीष्म ऋतु के मध्य में आता है। इस समयावधि में अत्यधिक भीषण गर्मी पड़ती है। प्रायः ग्रीष्म कालीन अवकाश मई के अंतिम सप्ताह से लेकर पूरे जून तक रहता है। इस समयावधि में उच्च तापमान के कारण सभी विद्यालय एवं महाविद्याल बंद रहते हैं। बच्चे ग्रीष्मकालीन अवकाश की वर्ष भर प्रतीक्षा करते हैं, क्योंकि इसमें उन्हें सबसे अधिक दिनों का अवकाश प्राप्त होता है। बच्चों के लिए ग्रीष्म कालीन अवकाश किसी पर्व से कम नहीं होता। इस समयावधि में उन्हें कोई चिंता नहीं होती अर्थात उन्हें न तो प्रातःकाल में शीघ्र उठकर विद्यालय जाने की चिंता होती है और न ही गृहकार्य करने की कोई चिंता होती है। प्रायः ग्रीष्म कालीन अवकाश में बच्चे अपने माता-पिता के साथ अपनी नानी के घर जाते हैं। वहां वे अपने ननिहाल के लोगों से मिलते हैं। सब उन्हें बहुत लाड़-प्यार करते हैं। नानी उन्हें बहुत-सी कहानियां सुनाती हैं। नाना और मामा उन्हें घुमाने के लिए लेकर जाते हैं और उन्हें उनके पसंद के खिलौने दिलवाते हैं। आज के एकल परिवार के युग में बच्चे अपने माता-पिता के साथ अपने दादा-दादी के घर भी जाते हैं। वहां भी उन्हें बहुत ही लाड़-प्यार मिलता है। नानी की तरह दादी भी बच्चों को कहानियां सुनाती हैं। इन कथा-कहानियों के माध्यम से वे बच्चों में संस्कार पोषित करती हैं, जो उनके चरित्र का निर्माण करते हैं। यही संस्कार जीवन में उनका मार्गदर्शन करते हैं। अपने पैतृक गांव अथवा नगरों में जाने से वे वहां की संस्कृति से जुड़ते हैं। अपने सगे-संबंधियों से मिलते हैं। इससे उन्हें अपने संबंधों का पता चलता है। उनमें अपने संबंधियों के प्रति स्नेह का भाव पैदा होता है। वे अपने संबंधियों के प्रति अपने दायित्व को भी समझते हैं। बच्चों में संबंध मूल्य और जीवन मूल्य की समझ बनती है। सम्मान और स्नेह का भाव उपजता है।

ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान बच्चे अपने माता-पिता के साथ पर्यटन स्थलों पर भी जाते हैं। अधिकतर लोग ऐसे स्थानों पर जाते हैं, जहां तापमान कम रहता है। ये पहाड़ी क्षेत्र होते हैं। इससे वे वहां की संस्कृति एवं रीति-रिवाजों के बारे में जान पाते हैं। इसके अतिरिक्त वे धार्मिक स्थलों एवं ऐतिहासिक महत्त्व के स्थलों पर भी घूमने जाते हैं। घूमने का अर्थ केवल सैर सपाटा और मनोरंजन करना नहीं है, अपितु पर्यटन से बहुत-सी शिक्षाएं मिलती हैं। धार्मिक स्थलों पर जाने से मन को शान्ति प्राप्त होती है तथा बच्चे अपने गौरवशाली संस्कृति से जुड़ पाते हैं। उन्हें अपने इष्ट देवी-देवताओं के बारे में जानने का अवसर मिलता है। उनमें आस्था का संचार होता है। उनका आत्मबल एवं आत्म विश्वास बढ़ता है। ऐतिहासिक स्थलों पर जाने से उन्हें अपने इतिहास को जानने का अवसर प्राप्त होता है। ये व्यवहारिक ज्ञान है, जो उन्हें आने-जाने से प्राप्त होता है। यह उनके लिए आवश्यक भी है। वे जिन चीजों के बारे में पुस्तकों में पढ़ते उनके बारे में उन्हें सहज जानकारी प्राप्त होती है। इसका उनके मन-मस्तिष्क पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। शिक्षकों द्वारा ग्रीष्मकालीन अवकाश के लिए भी विद्यार्थियों को गृहकार्य दिया जाता है। इस दौरान विद्यालय अवश्य बंद रहते हैं, किन्तु ट्यूशन सेंटर खुले रहते हैं। बच्चे ट्यूशन के लिए जाते हैं और अपना गृहकार्य भी करते हैं। इसके अतिरिक्त ग्रीष्म कालीन अवकाश के दौरान बहुत से संस्थान अनेक प्रकार के कम समयावधि वाले कोर्स प्रारंभ करते हैं, उदाहरण के लिए चित्रकला, संगीत, गायन, नृत्य, मिट्टी के खिलौने बनाने, सजावटी सामान बनाना आदि। इस समयावधि में बच्चों को अपनी रुचि के अनुसार कार्य करने एवं नई-नई चीजें सीखने का अवसर प्राप्त होता है। बहुत से बच्चे खेलों की ओर रुझान करते हैं। समय अभाव के कारण वे खेल नहीं पाते थे, किन्तु अवकाश में उन्हें अपनी पसंद के खेल खेलने का अवसर मिल जाता है। क्षेत्र के बच्चे अपनी-अपनी टीमें बना लेते हैं और आपस में प्रतिस्पर्धा करते हैं। इससे उनमें खेल भावना का विकास होता है। किसी भी खिलाड़ी के खेल का प्रारंभ इसी प्रकार होता है। पहले वह अपने मित्रों के साथ खेलता है। फिर इसी प्रकार वह खेल स्पधाओं में खेलने लगता है। इस प्रकार एक दिन वह देश के लिए पदक जीतने वाला खिलाड़ी बन जाता है। वास्तव में यह समय बच्चों के नैसर्गिक गुणों को निखारने का कार्य करता है। ग्रीष्म कालीन अवकाश व्यतीत होने के पश्चात विद्यालय व अन्य शिक्षण संस्थान पुनः खुल जाते हैं। विद्यार्थियों की दिनचर्या पुनः पूर्व की भांति हो जाती है। वे प्रातःकाल में शीघ्र उठ जाते हैं। नित्य कर्म से निपटने के पश्चात विद्यालय जाने के लिए तैयार होते हैं। वे नाश्ता कर-के घर से निकल जाते हैं। दिनचर्या केवल बच्चों की ही परिवर्तित नहीं होती, अपितु उनके साथ-साथ उनके माता-पिता की दिनचर्या भी परिवर्तित हो जाती है। उनकी माता प्रातः काल में शीघ्र उठकर उनके लिए नाश्ता बनाती है। उनके लिए टिफिन तैयार करती है। उन्हें विद्यालय या स्कूल बस तक छोड़ने जाती है। बहुत-सी माताएं बच्चों को विद्यालय लेकर भी जाती हैं और उन्हें वापस भी लाती हैं। बहुत से विद्यालयों के बाहर दोपहर में महिलाएं अपने बच्चों की प्रतीक्षा में खड़ी रहती हैं। बहुत से बच्चों को उनके पिता विद्यालय छोड़ने जाते हैं। नये शिक्षा सत्र में बच्चे बहुत प्रसन्न दिखाई देते हैं। उनकी कक्षा का एक स्तर बढ़ जाता है। वे स्वयं को पहले से श्रेष्ठ अनुभव करते हैं। पिछली कक्षा में भी उन्होंने कड़ा परिश्रम किया था। उसके कारण ही परीक्षा में वे सफलता प्राप्त कर पाए। परिणामस्वरूप अब वह उससे अगली कक्षा में अर्थात उससे ऊंची कक्षा में हैं। जब विद्यालय खुले थे, तब बहुत अधिक गर्मी थी। बच्चे गर्मी से व्याकुल थे, किन्तु उनके चेहरे पर उत्साह के भाव दिखाई दे रहे थे। बहुत से विद्यालयों में रोली एवं तिलक लगाकर बच्चों का स्वागत किया गया है।

भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं भगवान शिव

शिवरात्रि को भगवान शिव का सबसे पवित्र दिन माना गया है, जो सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी है। हालांकि पूरे साल मनाई जाने वाली इन शिवरात्रियों में से दो की मान्यता सर्वाधिक है, फाल्गुन महाशिवरात्रि और सावन शिवरात्रि। प्रायः जुलाई या अगस्त माह में मानसून के सावन महीने में मनाई जाने वाली सावन शिवरात्रि को कांवड़ यात्रा का समापन दिवस भी कहा जाता है। इस वर्ष सावन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि 15 जुलाई शनिवार को रात 8.32 बजे से शुरू हो रही है और इस तिथि का समापन 16 जुलाई की रात 10.08 बजे होगा। विभिन्न हिन्दू तीर्थ स्थानों से गंगाजल भरकर शिवभक्त अपने स्थानीय शिव मंदिरों में इस पवित्र जल से भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार भारत में सावन शिवरात्रि का बहुत महत्व है। इस दिन गंगाजल से भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन तीर्थस्थलों के गंगाजल से जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। दाम्पत्य जीवन में प्रेम और सुख शांति बनाए रखने के लिए भी यह व्रत लाभकारी माना गया है। सावन शिवरात्रि के दिन व्रत रखने से क्रोध, ईर्ष्या, अभिमान और लोभ से मुक्ति मिलती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह व्रत कुंवारी कन्याओं के लिए श्रेष्ठ माना गया है और यह व्रत रखने से क्रोध, ईर्ष्या, अभिमान तथा लोभ से भी मुक्ति मिलती है।

सर्वत्र पूजनीय शिव को समस्त देवों में अग्रणी और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वे अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। वे भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता के प्रतीक हैं। भारत में शायद ही ऐसा कोई गांव मिले, जहां भगवान शिव का कोई मंदिर अथवा शिवलिंग स्थापित न हो। यदि कहीं शिव मंदिर न भी हो तो वहां किसी वृक्ष के नीचे अथवा किसी चबूतरे पर शिवलिंग तो अवश्य स्थापित मिल जाएगा। हालांकि बहुत से लोगों के मस्तिष्क में यह सवाल उमड़ता है कि जिस प्रकार विभिन्न महापुरूषों के जन्मदिन को उनकी जयंती के रूप में मनाया जाता है, उसी प्रकार भगवान शिव के जन्मदिन को उनकी जयंती के बजाय रात्रि के रूप में क्यों मनाया जाता है? इस संबंध में मान्यता है कि रात्रि को पापाचार, अज्ञानता और तमोगुण का प्रतीक माना गया है और कालिमा रूपी इन बुराईयों का नाश करने के लिए हर माह चराचर जगत में एक दिव्य ज्योति का अवतरण होता है, यही रात्रि शिवरात्रि है। शिव और रात्रि का शाब्दिक अर्थ एक धार्मिक पुस्तक में स्पष्ट करते हुए कहा गया है कि जिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करूणासागर भगवान शिव हैं। जो नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं।

शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है, जिसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे। इस विष का प्रभाव इतना तीव्र था कि इससे समस्त सृष्टि का विनाश हो सकता था, ऐसे में भगवान शिव ने इस विष का पान कर सृष्टि को नया जीवनदान दिया जबकि अमृत का पान चन्द्रमा ने कर लिया। विषपान करने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया, जिससे वे नीलकंठ के नाम से जाने गए। विष के भीषण ताप के निवारण के लिए भगवान शिव ने चन्द्रमा की एक कला को अपने मस्तक पर धारण कर लिया। यही भगवान शिव का तीसरा नेत्र है और इसी कारण भगवान शिव चन्द्रशेखर भी कहलाए। धार्मिक ग्रंथों में भगवान शिव के बारे में उल्लेख मिलता है कि तीनों लोकों की अपार सुन्दरी और शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और भूत-पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका शरीर भस्म से लिपटा रहता है, गले में सर्पों का हार शोभायमान रहता है, कंठ में विष है, जटाओं में जगत तारिणी गंगा मैया हैं और माथे में प्रलयंकर ज्वाला है। बैल (नंदी) को भगवान शिव का वाहन माना गया है और ऐसी मान्यता है कि स्वयं अमंगल रूप होने पर भी भगवान शिव अपने भक्तों को मंगल, श्री और सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं।

मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में महिलाओं के मत एकतरफा रूप से शिवराज के पक्ष में दिख रहे हैं

मध्यप्रदेश में कुछ समय पहले तक कहा जा रहा था कि आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा का सरकार में लौटना बहुत कठिन दिख रहा है। कांग्रेस की ओर से किए जा रहे लोकलुभावन वायदे पिछली बार से कहीं अधिक इस बार जनता को अपनी ओर खींच लेंगे। इसके अलावा यह भी दिखायी दे रहा था कि कांग्रेस की ओर से कमलनाथ और दिग्विजय सिंह जैसे बड़े नेता कार्यकताओं से लगातार संवाद कर रहे थे। विशेषकर दिग्विजय सिंह ने प्रदेशभर में एक पाँव से चक्कर लगाकर छोटे-छोटे समूहों में कांग्रेसी कार्यकताओं से संवाद किया। वहीं, भाजपा की सक्रियता अपेक्षाकृत कम दिख रही थी। लेकिन, अब ऐसी स्थितियां नहीं हैं।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की सक्रियता, केंद्रीय संगठन की नये सिरे से जमावट और लाड़ली बहना जैसी योजनाओं ने मध्यप्रदेश की राजनीतिक तस्वीर में नये सिरे से भगवा रंग भरना शुरू कर दिया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं भाजपा के विश्वसनीय चेहरे शिवराज सिंह चौहान ने सक्रियता दिखाते हुए जनसामान्य से संवाद के कार्यक्रम बनाए। उनके प्रयासों को मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना ने पंख लगा दिए हैं। एक समय तक चुनावी तैयारियों में बहुत पीछे दिख रही भाजपा अब कांग्रेस के बराबर आकर खड़ी हो गई। ओपीनियन पोल में भी इसी बात के संकेत मिलते हैं कि विधानसभा चुनाव को जहाँ कांग्रेसी नेता एवं कुछेक राजनीतिक विश्लेषक एकतरफा समझ रहे थे, वह मामला वैसा नहीं रहा है अपितु भाजपा आगे निकलती दिख रही है।

कहना होगा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर, स्वावलंबी एवं सशक्त बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई शिवराज सिंह चौहान की महत्वाकांक्षी लाड़ली बहना योजना भाजपा को सियासी लाभ भी पहुँचा रही है। यानी महिलाओं के हाथ मजबूत होने पर उनका सहारा भाजपा को चुनावी वैतरणी भी पार करा देगा। मध्यप्रदेश में योजना को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह दिखायी दे रहा है। शिवराज सिंह चौहान ने प्रति माह एक हजार रुपये राशि की दो किस्तें महिलाओं के खातों में भेजने के साथ उनके मन में यह विश्वास भी जगा दिया है कि यदि शिवराज मुख्यमंत्री रहे तो यह राशि बढ़कर तीन हजार रुपये हो जाएगी। इस विश्वास के कारण कांग्रेस की डेढ़ हजार रुपये देने की घोषणा अब बेमानी हो गई है। कांग्रेस के वचन-पत्र अब कोरे कागज के टुकड़े रह गए हैं। मुरैना की एक हितग्राही से जब पूछा कि क्या वह लाड़ली बहना बनने के बाद डेढ़ हजार रुपये प्रतिमाह पाने की आस में कांग्रेस के वचनपत्र को भरेंगी? उन्होंने एक झटके में उत्तर दिया कि हमें शिवराज भैया पर विश्वास है। मुख्यमंत्री ने पहले भी हमारे लिए बहुत योजनाएं

शुरू की हैं, आगे भी वे ही चिंता करेंगे। इसके आगे उसने हंसते हुए कहा, ह्लअब तो कमलनाथ के वचन पत्र समोसा-कचोड़ी लपेटने के काम आ रहे हैंह्व। इस उत्तर में वह विश्वास छिपा है, जिससे भाजपा को ऑक्सीजन मिल रही है। यह योजना किस प्रकार भाजपा के लिए संजीवनी बूटी साबित हो रही है, उसे समझने के लिए प्रदेश में मतदाताओं की स्थिति समझनी चाहिए। मध्यप्रदेश में कुल मतदाताओं की संख्या 5 करोड़ 50 लाख से अधिक है, जिनमें से 2 करोड़ 60 से अधिक महिला मतदाता हैं। एक आंकड़े के अनुसार, 2018 के चुनाव के बाद लगभग 13.39 नये मतदाता जुड़े हैं, जिनमें लगभग 7.07 लाख महिलाएं हैं। अर्थात महिला मतदाताओं की संख्या में 2.79 की वृद्धि हुई है और पुरुष मतदाताओं की संख्या में 2.30 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। लगभग प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में महिला मतदाताओं की संख्या बढ़ी है। कांग्रेस हो या भाजपा यूँ ही महिलाओं पर फोकस नहीं कर रही हैं, ये आंकड़े बताते हैं कि मध्यप्रदेश में महिला मतदाता बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। लाड़ली बहना योजना को छोड़ भी दें, तब भी मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान महिलाओं के बीच अधिक लोकप्रिय हैं।

दरअसल, शिवराज सिंह चौहान ने अपने पहले कार्यकाल से ही स्त्री सशक्तिकरण के लिए प्रदेश में वातावरण बनाया है। ये जो 7.07 लाख नयी महिला मतदाता हैं, उनके लिए भी प्रदेश में मुख्यमंत्री के जनअभियानों के कारण एक सकारात्मक वातावरण बना है। मुख्यमंत्री ने बेटी बचाओ जैसे समाजोन्मुखी अभियान चलाकर मध्यप्रदेश में न केवल जनसंख्या अनुपात में सुधार की नींव रखी अपितु बेटियों के प्रति देखने की दृष्टि भी बदली है। एक और तथ्य है, जिसके कारण महिला मतदाता प्रदेश के चुनाव में मुख्य किरदार निभाती नजर आ रही हैं, प्रदेश की 230 विधानसभा सीटों में से 18 सीट ऐसी हैं, जिन पर महिलाओं की निर्णायक भूमिका रहेगी। इनमें जनजाति बाहुल्य बालाघाट, मंडला, डिंडोरी, अलीराजपुर और झाबुआ जैसे जिले शामिल हैं। याद रखें कि महिलाओं के लिए स्वस्थ्य वातावरण बनने के कारण मतदान में भी महिलाओं की भागीदारी उत्साहजनक है। पिछले विधानसभा चुनाव में लगभग 76 प्रतिशत पुरुष मतदाताओं के मुकाबले 74 प्रतिशत महिला मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, 2018 के विधानसभा चुनाव में महिला मतदाताओं की भागीदारी पिछले चुनाव के मुकाबले 3.75 बढ़ी थी। उपरोक्त आंकड़ों के विश्लेषण से यह बात तो साफ होती है कि महिला मतदाता अब मतदान के लिए घरों से बाहर निकल रही हैं और अपनी पसंद के नेता को चुन रहीं हैं। राजनीतिक विश्लेषक यह भी मानते हैं कि पिछली बार भी महिला मतदाता शिवराज सरकार के साथ थीं, इसलिए कांग्रेस बहुमत से दूर रह गई थी। वहीं, लाड़ली बहना योजना के बाद से महिलाओं में शिवराज सरकार के प्रति विश्वास और बढ़ गया है। महिलाओं के इस रुझान ने कांग्रेस की नींद उड़ा रखी है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को अपनी इस योजना को लेकर जिस प्रकार का फीडबैक मिला है, उससे उनका आत्मविश्वास भी बढ़ गया है। अभी इस योजना के दायरे में 1 करोड़ 25 लाख से अधिक महिलाएं लाभार्थी के तौर पर आ गई हैं। इस दायरे को और बढ़ाने का मन सरकार ने बना लिया है।

समाजवादी पार्टी के नव मनोनीत सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों का हुआ स्वागत

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। समाजवादी पार्टी के तत्वावधान में जिलाध्यक्ष गोपाल यादव की अध्यक्षता में पार्टी कार्यालय समता भवन पर नवमनोनीत सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष रजनी कान्त यादव , राष्ट्रीय सचिव रवि लाल यादव, प्रदेश सचिव शिवकुमार यादव और ज्योति सरगम का स्वागत समारोह आयोजित हुआ। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष गोपाल यादव सहित पार्टी के सभी नेताओ, पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने इन सभी नवमनोनीत पदाधिकारियों का मुंह मीठा कराकर और माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया और उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष गोपाल यादव ने कहा कि रजनीकांत जी, रविलाल, शिवकुमार यादव और ज्योति सरगम जी के मनोनयन से पार्टी मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि रजनीकांतजी और सभी नवमनोनीत पदाधिकारी पार्टी के मजबूत, कर्मठ एक समर्पित सिपाही है। वह पार्टी के कार्यक्रमों में अपने लोकगीत के माध्यम से पार्टी की रीतियों -नीतियों, अपनी सरकार की कल्याणकारी

योजनाओं और नेता के संदेश को जनता के सामने बखूबी रखते हुए पार्टी के आंदोलनों में भी सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। हमें उम्मीद है कि रजनीकांत जी और उनकी पलटन पार्टी के भरोसे और विश्वास को कायम रखते हुए और मजबूती से भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों, उसके झूठ,फरेब और जनता से की गयी वादा खिलाफी को जनता के सामने रखने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि जब जब प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनी है साहित्यकारों, लोकगीत कलाकारों का सम्मान हुआ है। उन्हें यश भारती जैसे पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया है। उन्होंने सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों को यह निर्देश दिया कि सांस्कृतिक प्रकोष्ठ केवल लोकगीत कलाकारों का मंच नहीं है बल्कि इस प्रकोष्ठ का दायरा बढ़ाते हुए इस प्रकोष्ठ में सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़े सभी लोगों को जोड़ने की जरूरत है चाहे वह गायक हों,चाहे, नाटककार हों,चाहे कवि और शायर हो, चाहिए लेखक,और साहित्यकार हो,चाहे नृत्य की दुनिया से जुड़े लोग हो सभी को सांस्कृतिक प्रकोष्ठ से जोड़ने की जरूरत है।

अपने स्वागत से अभिभूत रजनीकांत जी ने अपने मनोनयन के लिए पार्टी के राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के साथ साथ जिलाध्यक्ष गोपाल यादव जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि दल ने जो भरोसा और विश्वास हम पर व्यक्त किया है हम पूरी ईमानदारी से अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए पार्टी के भरोसे और विश्वास पर शत प्रतिशत खरा उतरने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि हम अपने लोकगीत के माध्यम से पार्टी के पक्ष को मजबूती से रखने के साथ साथ साथ साथ भाजपा सरकार की नाकामियों, उनके झूठ , फरेब , बेरोजगारों, किसानों , व्यापारियों और छात्रों के साथ की गयी वादा खिलाफी तथा लोकतंत्र एवं संविधान विरोधी कारनामों की पोल खोलने का काम करेंगे।

इस अवसर पर जनपद के लोकगीत कलाकारों का जमावड़ा भी लगा जिन्होंने अपने स्वागत गीत के माध्यम से नवमनोनीत पदाधिकारियों का भावपूर्ण स्वागत किया। इस अवसर पर स्वागत गीत गाने प्रस्तुत करने वाले लोकगीत कलाकारों में मुख्य रूप से भगवान यादव,दया शंकर यादव,नेहा सोनाली, बलिया सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष मनोज सिंह, शिवमुनि यादव, रामअवतार शर्मा ,रमेश यादव? करंट आदि थे।

इस अवसर पर मुख्य रूप से स्वामी सद्गुरु महाराज जी,पूर्व जिलाध्यक्ष रामधारी यादव,फेंकू यादव गांधी जी, मन्नू सिंह,रविन्द्र प्रताप यादव,अशोक कुमार बिंद, ब्लाक प्रमुख संतोष कुशवाहा,अरुण कुमार श्रीवास्तव, विभा पाल,सिकंदर कन्नौजिया, राजेंद्र यादव, चौथी यादव,गोवर्धन यादव, अनिल यादव सदानंद यादव, चन्द्रिका यादव,नगर अध्यक्ष दिनेश यादव, डॉ समीर सिंह,राजेश यादव, कन्हैया यादव, रामाशीष यादव, चन्द्रबली यादव,अरविंद यादव, विरेन्द्र यादव, पूजा गौतम, रीना यादव,कंचन रावत, सुनीता यादव, शिवशंकर यादव, विन्ध्याचल यादव, छन्नू यादव कमला यादव, पंकज यादव, अदनान खां विजयी यादव आदि उपस्थित थे।इस समारोह का संचालन जिला महामंत्री कन्हैयालाल विश्वकर्मा ने किया।

व्यापारियों व सहयोगियों का सहयोग आजीवन रहेगा याद : एस. के. त्रिपाठी

मऊ। जनपद में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उपायुक्त कार्यकाल के दौरान कार्यालय के सभी सहयोगियों सहित जनपद के व्यापारियों द्वारा किया गया सहयोग आजीवन याद रहेगा। उपरोक्त बातें जिला अभिहित अधिकारी उपायुक्त श्रवण कुमार त्रिपाठी ने स्थानांतरण के उपरांत प्रतिनिधि उद्योग व्यापार मंडल द्वारा आयोजित विदाई समारोह को संबोधित करते हुए कहा। उन्होंने कहा कि किसी जनपद में विभाग के शीर्ष अधिकारी के निश्चित कार्यकाल से कहीं अधिक समय मैंने मऊ में व्यतीत किया। इस दौरान खाद्य सुरक्षा के निमित्त तमाम कार्यवाही की जाती रही। लेकिन मऊ जनपद कार्यालय के सहयोगियों व व्यापारियों के सहयोग से सब कुछ बहुत सुखद रहा। अपने सेवाकाल के विभिन्न जनपदों में अपने कार्य के साथ मऊ जनपद के कार्यकाल का मूल्यांकन करते हुए उन्होंने कहाकि मऊ के लोगों का सहयोग और प्यार आजीवन याद रहेगा। गौरतलब हो कि खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन कार्यालय मऊ से उपायुक्त श्रवण कुमार त्रिपाठी, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजेश कुमार दीक्षित सहित खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज यादव, रामानंद व जयहिंद राम का स्थानांतरण अन्यत्र जिलों के लिए हो गया है। जिसके तहत प्रतिनिधि उद्योग व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष राकेश कुमार तिवारी के नेतृत्व में उक्त अधिकारियों का विदाई समारोह आयोजित किया गया। जिसमें सभी लोगों को अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया गया।

जल जीवन मिशन के तहत दो दिवस कार्यशाला का आयोजन

प्रखर आजमगढ़। जल जीवन मिशन हर घर जल योजना अन्तर्गत जेपी मेमोरियल रिसर्च एंड एजुकेशनल ट्रस्ट के द्वारा पेयजल योजनाओं के हितग्राहियों के क्षमता संवर्धन हेतु निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों का विकासखंड स्तरीय दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन ब्लाक मुहम्मदपुर सभागार में शुक्रवार को किया गया। प्रशिक्षण में राज्य प्रशिक्षक सी बी गोस्वामी द्वारा कार्यक्रम में पाइप पेयजल परियोजना के बारे में जानकारी दी गयी जिसमें बताया गया कि प्रधानमंत्री द्वारा 15 अगस्त 2019 को जल जीवन मिशन की जो शुरूआत की गई जिसका लक्ष्य 2024 तक हर घर वाटर सप्लाई के माध्यम से लोगों को शुद्ध और शीतल जल उपलब्ध करवाना है उन्होंने बताया कि जो जल हम पी रहे हैं वह निरंतर दूषित होता जा रहा है जल में हमारे विभिन्न प्रकार के रासायनिक तत्व और आर्सेनिक आयरन नाइट्रेट क्लोराइड फ्लोराइड शेष क्लोरोन जैसे तत्व हमारे लिए हानिकारक हो रहे हैं। सहायक विकास अधिकारी ऋवण कुमार ने पेयजल योजना के

बारे में एवं पंचायत की जिम्मेदारियां, परियोजना में महिलाओं की भागीदारी की विस्तृत जानकारी दी। विकास खण्ड परिसर में लगे पेयजल की जांच करके उनकी गुणवत्ता के बारे में बताया गया गांव में बीडब्ल्यूएससी की भूमिका ग्राम पंचायत मे घरेलू जल संरक्षण पेयजल आपूर्ति के स्रोतों को भविष्य के लिए कैसे सुरक्षित बनाए आदि की जानकारियां दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित संस्था के कोऑर्डिनेटर महेश यादव, टीम लीडर आलोकपाल, प्रधान जिया लाल यादव, अरविंद यादव उर्फ पिन्टू, विजयी सरोज, जुल्मधारी यादव,मन्तोष यादव, कमल सिंह, जितेंद्र सिंह, अवधेश चौहान, हीरालाल यादव, नीलम यादव, प्रेमचंद जैसवार, दिनेश कुमार, पिन्टू संतोष कुमार, प्रमोद कुमार, वीरबहादुर, रफीक उठ गुड्डू, सचिव रामचन्द्र राम, आनन्द सरोज, शशिकांत, बलिराम, राकेश यादव,जे पी यादव, प्रशांत यादव, रोहित सोनकर, शिक्षा राय, चांदनी शुक्ला, नागेन्द्र प्रसाद ऋषिकेश प्रजापति आदि उपस्थित रहे।

वाराणसी में हिन्दू जनजागृति समिति द्वारा विधि एवं न्याय मंत्री को ज्ञापन !

लैंड जिहाद करने वाला वक्फ कानून निरस्त करें ! - हिन्दुत्वनिष्ठों की मांग

प्रखर वाराणसी। एक ओर हिन्दुओं के मंदिरों का सरकारीकरण कर मंदिरों की संपत्ति सरकार अपने नियंत्रण में ले रही है, तो दूसरी ओर मुसलमानों की धार्मिक संस्था द्वारा सरकार एवं नागरिकों की संपत्ति कानून का दुरुपयोग करते हुए हडपना, यह धर्मनिरपेक्षता की संकल्पना पर प्रहार है और असंवैधानिक है । वर्ष 1995 एवं वर्ष 2013 में कांग्रेस सरकार ने इस कानून में अन्य सभी धर्मियों की कोई भी संपत्ति वक्फ बोर्ड की संपत्ति के रूप में घोषित करने के भयानक एवं असीमित अधिकार दिए । वर्ष 2009 में वक्फ बोर्ड के पास 4 लाख एकड भूमि थी, वही भूमि वर्ष 2023 में अर्थात 14 वर्ष में दुगुनी हो गई है । परिणामतः भारतीय सेना दल एवं भारतीय रेल के उपरांत तीसरी सर्वाधिक भूमि वक्फ बोर्डके पास ही है । यदि ऐसे ही चलता रहा, तो कुछ वर्ष में भारत की सर्वाधिक भूमि वक्फ बोर्ड की होकर भारत में नए पाकिस्तान का निर्माण होगा । इस संकट को देखते हुए सामान्य जनता की भूमि

हडपकर लैंड जिहाद को प्रोत्साहन देनेवाला अन्यायकारी वक्फ कानून तुरंत निरस्त करें इस मांग हेतु हिन्दू जनजागृति समिति की ओर से माननीय विधि एवं न्याय मंत्री को जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन दिया गया । इस समय वाराणसी व्यापार मंडल के अध्यक्ष श्री. अजीत सिंह बग्गा, अधिवक्ता विजय कुमार, वाराणसी व्यापार मंडल के मीडिया प्रभारी डॉ. रमेश दत्त पांडे, वाराणसी युवा व्यापार मंडल के अध्यक्ष श्री. संजय गुप्ता, जिला महिला व्यापार मंडल की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी खन्ना, जिला महिला व्यापार मंडल की महामंत्री गुड़िया केसरी, वाराणसी युवा व्यापार मंडल के उपाध्यक्ष श्री. दीपतिमान देव गुप्ता, श्री. गोपाल पांडे तथा हिन्दू जनजागृति समिति के श्री. राजन केशरी, सनातन संस्था के श्री प्रमोद गुप्ता उपस्थित थे ।

वक्फ बोर्ड, यह इस्लामी संस्था होने पर भी उसके सदस्यों को वक्फ कानून के अनुसार सरकारी नौकर माना जाता है । ऐसी सुविधा अन्य धर्मियों को अथवा धार्मिक संस्थाओं के किसी भी सदस्य को नहीं । यह धार्मिक पक्षपात की चरम सीमा है । वक्फ बोर्ड भूमि हडपेगा तो उसका परिवाद वक्फ से ही करना है, छानबीन भी वक्फ ही करेगा और निर्णय भी वक्फ ही देगा ! यहां न्याय सुविधाजनक ढंग से वक्फ बोर्ड के पक्ष में देने की व्यवस्था की गई है । यह न्यायालय के अधिकारों पर प्रहार एवं नागरिकों के मूलभूत संवैधानिक न्याय अधिकार छीन लिए जाने का प्रकार है ।

इस संकट के संदर्भ में निम्न मांगें की गईं :

1. अब तक इस कानून का दुरुपयोग कर जो-जो भूमि वक्फ बोर्ड ने अपनी घोषित की है, वह उस भूमि उसके वास्तविक मालिक को देने की व्यवस्था की जाए । उस भूमि पर से वक्फ बोर्ड का अधिकार पूर्णरूप से समाप्त कर दिया जाए।

2. देश में समान नागरिक कानून लागू कर अल्पसंख्यकों के नाम पर लागू की गई सभी विशेष सुविधा, कानून, आयोग, मंडल, शासकीय विभाग समाप्त कर सभी के साथ समान बर्ताव किया जाए।

अज्ञात बदमाशों ने बाइक सवार युवक को मारी गोली

प्रखर मिजार्पुर। अदलहाट इलाके में बदमाशों के हौसले बुलंद,अज्ञात बदमाशों ने बाइक सवार युवक को गोली मारकर की हत्या, युवक के शव के पास मिला खोखा, मृतक युवक वेल्डिंग का था मिस्त्री, काम कर के रात में हो रहा था वापस,घर पहुंचने से पहले बदमाशों ने की हत्या.सूचना पर पहुंची पुलिस जांच में जुटी। मिली जानकारी के अनुसार अदलहाट थाना क्षेत्र के डेहरी गांव के नहर के पास अज्ञात बदमाशों ने बाइक सवार युवक को गोली मारकर हत्या कर दी. सुबह टहलने निकले ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी । पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज कर जांच में जुट गई.बताया जा रहा है मृतक हरिश्चंद्र विश्वकर्मा अदलहाट थाना क्षेत्र के डेहरी गांव का रहने वाला था.वेल्डिंग मिस्त्री का काम करता था किसी के घर काम कर रात में वापस हो रहा था गांव पहुंचने से पहले ही अज्ञात बदमाशों ने रात में की गोली मारकर हत्या कर दी। सुबह टहलने निकले ग्रामीणों ने नहर के पास शव देखकर इसकी सूचना पुलिस को दी. शव के पास कारतूस का खोखा भी बरामद किया गया है. हत्या की जानकारी मिलते ही ग्रामीण भी सैकड़ों की संख्या में इकट्ठा हो गए. बिल्डिंग मिस्त्री की मौत से परिवार में कोहराम मच गया । पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज कर जांच में जुट गई. वहीं घटनास्थल पर पहुंचे अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन ओम प्रकाश सिंह ने बताया कि वेल्डिंग मिस्त्री की गोली मारकर हत्या कर दी गई है. गर्दन पर गोली का निशान है. काम कर वापस हो रहा था रात में लेकिन गांव पहुंचने से पहले ही गोली मार दी गई है। सुबह नहर के पास युवक का शव मिला है। शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है ।जल्द ही हत्या में शामिल बदमाशों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा. हत्या से जुड़े हर पहलू की जांच की जा रही है।

मरदह विकास खण्ड में दुर्दशाग्रस्त सड़क दिखा रही गड्ढा मुक्त सरकार को आईना

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। योगी सरकार लाख दावे कर ले यूपी की सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के है ऐसी ही एक सड़क मरदह विकासखण्ड अंतर्गत बरही गाँव मे है।राष्ट्रीय राजमार्ग से उतर कर बरसात और नालियों का पानी हमेशा लगा रहता है, जिसकी वजह आये दिन आम राहगीरों के

लेकिन जमीनी हकीकत तो कुछ और ही है।जनपद में कुछ तो ऐसी सड़के है जिन पर चलना जान जोखिम में डालने के बराबर जैसे ही आप बरही और बोगना कि तरफ जायेगे आपका सामना पत्थर के ईटो से बनी खस्ताहाल हो चुकी सड़क से होगा। सौ मीटर सड़क पर साथ -साथ स्कूली छात्र छात्राएं गिरकर घायल भी हो रहे है। 10-15 साल पुरानी पत्थर के ईटो की बनी सड़क काफी खराब हो चुकी है। ईटो के अस्त व्यस्त होने से राहगीरों को पानी लगे सड़क पर चलने में काफी मुश्किलों का

सामना करना पड़ रहा है। सड़क के किनारे बह रही नालियां पूरी तरह जाम हो चुकी है जिसकी वजह से पानी निकास नही हो पा रहा है। बताते चले कि इस सड़क पर रोजाना हजारों लोगों का आना जाना लगा रहता है।यह सड़क बरही गाँव के साथ साथ बोगना होते हुए मलेठी, धर्मागतपुर निकल जाती है। सड़क को लेकर ग्रामीणों में काफी आक्रोश है।

ग्रामीण विश्वपाल सिंह ने बताया सड़क काफी खराब हो चुकी है,कई कई बार अधिकारियों को सूचित किया गया लेकिन सड़क नही बनी।बरही निवासी जितेंद्र यादव ने कहा आये दिन राहगीर गिरते रहते है लेकिन कोई सुनवाई नही हो रही है ग्राम प्रधान से भी कई बार कहा गया कि नाली सफाई हो जाती तो पानी निकलता लेकिन प्रधान ने भी अनसुना कर दिया। ग्रामीण बिनोद शर्मा, अमरनाथ यादव, मनोज जायसवाल सबका यही कहना है कि खराब हो चुकी सड़क पर चलना अब परेशानी हो रही है, सड़क जल्द से जल्द बननी चाहिए। आक्रोशित ग्रामीणों ने चेताया अगर सड़क जल्द से जल्द नही बनी तो हम लोग धरना प्रदर्शन के लिए बाध्य होंगे।

इस विषय पर पीडब्ल्यूडी के सहायक अभियंता खुर्शीद अहमद से बात की गई तो बताया संज्ञान में है, जल्द ही आरसीसी रोड का स्टीमेट बना कर शासन को भेजेंगे ताकि सड़क जल्द से जल्द बन सके।

संक्षिप्त खबरें

अभिनव सिन्हा पहुंचे स्वामी सहजानंद महाविधालय, केंद्र सरकार की योजनाओं की दी जानकारी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। प्रधानमंत्री के 9 वर्ष के कार्यकाल और देश में हो रहे विकास कार्यों का लेखा जोखा जन जन तक पहुंचाने की जिम्मेदारी गाजीपुर में जम्मू कश्मीर के महामहिम उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के पुत्र और प्रमुख समाज सेवी झ राजनैतिक कार्यकर्ता अभिनव सिन्हा को दी गई है। तय कार्यक्रम के तहत सिन्हा आज दोपहर स्वामी सहजानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर में पहुचे। परिसर में स्वामी सहजानन्द सरस्वती के मंदिर में स्वामी जी का दर्शन कर सिन्हा ने महाविद्यालय के सभी शिक्षकों कर्मचारियों से मुलाकात की। महाविद्यालय के उपाचार्य प्रो. अवधेश नारायण राय ने बुके देकर सिन्हा का स्वागत किया । वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. अजय राय ने सिन्हा का स्वागत करते हुए कहा कि महाविद्यालय के वाणिज्य संकाय के भवन निर्माण में स्व. वीरेंद्र सिन्हा का विशेष योगदान था इसी लिए वाणिज्य संकाय वीरेंद्र सिन्हा वाणिज्य संकाय के रूप में जाना जाता है। अभिनव सिन्हा ने महाविद्यालय के प्राध्यापकों का स्वागत-आतिथ्य स्वीकार करते हुए केंद्र सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं के विषय मे जानकारी दी साथ ही उन्होंने प्रबुद्ध जन से राष्ट्रहित में लोकहितकारी व विकास परक नीतियों के आधार पर जन समर्थन का आह्वान भी किया। इस अवसर पर डॉ. कृष्णानंद चतुर्वेदी, डॉ. विलोक सिंह, रामधारी राम, डॉ. नितिन राय, डॉ. प्रमोद श्रीवास्तव, डॉ. श्याम नारायण राय, डॉ. सतीश राय, डॉ. देव प्रकाश राय, डॉ. अजय सिंह, विनय चौहान, वी के ओझा, डॉ. सतीश पाण्डेय, ओमप्रकाश राय, प्रवीण राय, सतेन्द्र राय, समीर राय, अरबिंद राय, शरद राय आदि शिक्षक-कर्मचारी उपस्थित थे।

इनरव्हील क्लब आफ वाराणसी सेन्ट्रल ने किया वृक्षारोपण, वृक्षों को प्रकृति, संस्कृति एवं समाज के लिए बताया जरूरी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। इनरव्हील क्लब आफ वाराणसी सेन्ट्रल तत्वावधान में 14 जुलाई शुक्रवार को अस्सी क्षेत्र स्थित उद्यान में वृक्षारोपण करते हुए प्राकृतिक सामंजस्य के लिए हरियाली को आवश्यक बताया गया` इस मौके पर क्लब की अध्यक्ष नीलम गुप्ता ने कहा कि आज के भौतिकतावादी परिवेश में हमने पर्यावरण के साथ सामंजस्य को अनदेखा किया है जिसके परिणाम स्वरूप आज हमें प्राकृतिक आपदा का सामना करना पड़ रहा है` वायुमंडल में तेजी से गर्मी बढ़ रही है समुंद्र का जलस्तर बढ़ने के साथ भूस्खलन हो रहा है वैज्ञानिकों द्वारा बार-बार चेतावनी दिए जाने के बाद भी हम पर्यावरण संरक्षण के प्रति गंभीर नहीं है और अपनी जरूरत के लिए लगातार वृक्षों की कटाई एवं वनों का दोहन कर रहे हैं आज देश के कई राज्यों में भीषण बाढ़ की स्थिति बनी हुई है जो हमारे पर्यावरण के साथ खिलवाड़ का ही परिणाम है उन्होंने कहा कि अगर हम आज भी पर्यावरण संरक्षण और हरियाली के लिए गंभीर नहीं हुए तो हमारे आने वाली पीढ़ी को इससे भी गंभीर प्राकृतिक आपदा का सामना करना पड़ेगा` क्लब की कमल अग्रवाल ने बताया कि कन्दवा, रामनगर, अस्सी, रविन्द्रपुरी, लंका सहित शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सौ वृक्ष लगाने की योजना पर हम अग्रसर है` इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत क्लब की सचिव सुमित्रा सिंह द्वारा अध्यक्ष नीलम गुप्ता को कालर पहनाने के साथ इनरव्हील प्रार्थना से हुआ।

DGP महाराष्ट्र आइपीएस विपिन कुमार सिंह को याद आया वह प्राइमरी स्कूल, जिसमें सीखा था ककहरा

प्रखर मिजार्पुर। अदलहाट अपने पैतृक गांव हिनौती माफी आए आइपीएस विपिन तो प्राइमरी स्कूल के लिए दिए बेंच-डेस्क प्राइवेट विद्यालयों की तरह अब बेंच पर बैठकर पढ़ाई करेंगे हिनौती माफी के बच्चे बहुत कम लोग होंगे, जो ऊंचे ओहदे पर पहुंचने के बाद भी अपने पैर जमीन पर ही रखते हैं। जिस मिट्टी में जन्म लिया, जिस स्कूल में प्राथमिक शिक्षा ग्रहण की, उसे याद रखते हैं। मिजार्पुर जनपद के अहरौरा से 10 किलो मीटर कि दुरी पर स्थित हिनौती माफी गांव के विपिन कुमार सिंह भी ऐसे ही कम लोगों में हैं, जो अपने गांव को याद करते हैं। पे बैक टू सोसायटी के सिद्धांत को याद रखते हैं। विपिन कुमार सिंह इस समय महाराष्ट्र पुलिस प्रमुख हैं। मतलब महाराष्ट्र के डीजीपी। वह अक्सर गांव आते रहते हैं। अपने बचपन के मित्रों व रिश्तेदारों से मिलते-जुलते रहते हैं। अभी हाल ही में जब वह गांव आए तो उस प्राइमरी स्कूल में पहुंच गए, जहां से करीब 50 वर्ष पूर्व कक्षा एक से पांच तक की पढ़ाई की है। उन्होंने देखा कि बच्चे जमीन पर बैठकर पढ़ रहे हैं तो उन्होंने पर्याप्त संख्या बेंच व डेस्क की व्यवस्था कर दी। अब इस स्कूल के भी बच्चे प्राइवेट स्कूलों की तरह बेंच पर ही बैठकर पढ़ेंगे। महाराष्ट्र के डीजीपी विपिन कुमार सिंह ने बच्चों को बेहतर पढ़ाई के लिए अपनी ओर से 30 डेक्स उपलब्ध कराया है। जिसपर 150 बच्चे बैठकर पठन पाठन आसानी से कर सकते है।गांव के प्राथमिक विद्यालय पर पहुंचे डीजीपी को देखकर बच्चे और शिक्षकों ने खुशी जताई।ग्राम प्रधान प्रदीप सिंह पटेल की मौजूदगी में डीजीपी ने विद्यालय के बच्चों और समस्त स्टाफ के साथ लंच कर विद्यालय की प्रगति के बारे में जानकारी ली। विपिन कुमार सिंह ने कहा कि जिस स्कूल से हमने प्राथमिक शिक्षा को ग्रहण किया, उस स्कूल के विकास के लिए आगे भी मदद करते रहेंगे। कहा कि ग्रामीण स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे आज के दौर में किसी से कम नहीं हैं। बस आवश्यकता है अभिभावकों को उनको सही दिशा देने की। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक राम नरेश यादव, चन्द्र भूषण सिंह, चन्दन सिंह, प्रभाकर सिंह, दीपेन्द्र सिंह, राकेश सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

'नानी 30' से जारी हुआ नानी का पहला लुक...

मुंबई। दक्षिण भारतीय सिनेमा के जाने-माने अभिनेता नानी को पिछली बार 'दसरा' में देखा गया था। 30 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया था। मौजूदा वक्त में नानी अपनी आने वाली फिल्म 'नानी 30' को लेकर चर्चा में है। फिल्म को लेकर तरह-तरह की जानकारी सामने आती रहती है। अब नानी की इस फिल्म से उनके लुक के साथ ही इसके टाइटल की घोषणा हो गई है। शौरयुव द्वारा निर्देशित इस फिल्म का नाम 'हाय नन्ना' रखा गया है। इसमे नानी की जोड़ी मृणाल ठाकुर के साथ बनी है।

लाइफ Style

उर्फी

एकता की फिल्म से करेंगी डेब्यू

एजेंसी ⏭ मुंबई

अपने अजीबो-गरीब फैशन सेंस के चलते सुर्खियों में बनी रहने वाली उर्फी जावेद अब बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। एक्ट्रेस के एकता कपूर की फिल्म में लीड रोल करने की चर्चाएं चल रहीं हैं। सोशल मीडिया सेंसेशन उर्फी जावेद अपने अतरंगी कपड़ों की वजह से खूब सुर्खियां बटोरती है।

दरअसल खबरें हैं कि उर्फी एकता कपूर की अपकमिंग फिल्म 'लव, सेक्स, और धोखा 2' से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक्ट्रेस के एक क्लोज सोर्स ने बताया, कि उर्फी से 'लव, सेक्स और धोखा 2' के लिए कॉन्टेक्ट किया गया है क्योंकि वह फिल्म में लीड रोल के लिए बिल्कुल फिट बैठती हैं। उर्फी इस फिल्म को अपने बॉलीवुड डेब्यू के तौर पर ले सकती हैं। एकता कपूर की साल 2010 में आई फिल्म 'लव, सेक्स और धोखा' के सीक्वल का पोस्टर हाल ही में जारी किया गया था साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी अनाउंस की गई थी। लव, सेक्स और धोखा. एलएसडी 2 आगामी 16 फरवरी 2024 को सिनेमाघरों में आ रही है। बता दें कि डिजाइनर जोड़ी अबू जानी और संदीप खोसला के ले हाल ही में उर्फी रैंप वॉक कर काफी सुर्खियाँ बटोरीं थीं। इस खबर के बाद फिल्म को लेकर फैंस की एक्साइटमेंट बढ़ गई है। बता दें कि एकता कपूर ने अपने इंस्टा पर फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा था, "किसे गुलाब और चॉकलेट की जरुरत है जब आपके पास लाइक्स और रिपोस्ट हैं? कैमरे के ज़माने के प्यार से लेकर इंटरनेट के ज़माने के प्यार तक।

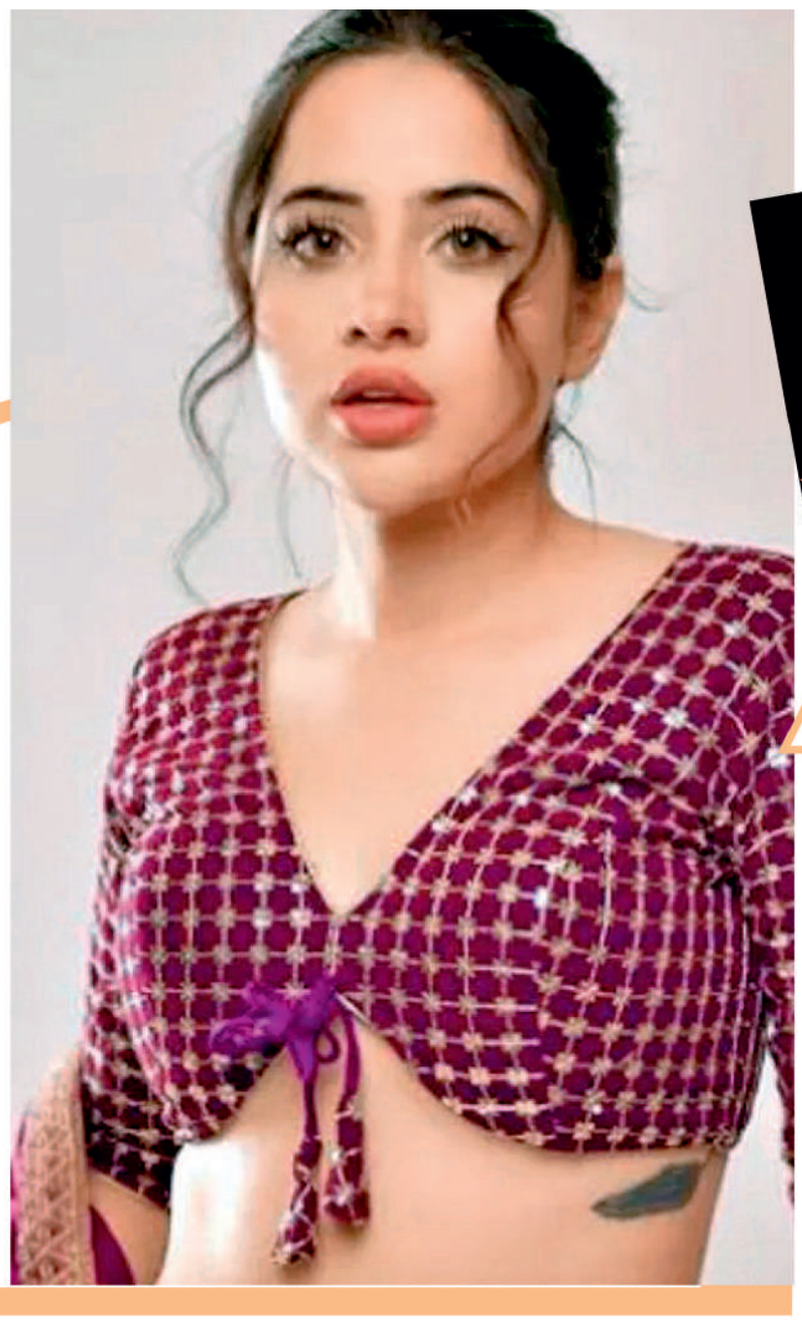

हॉलीवुड मसाला

कोरियन सिंगर ली नहीं रहीं...

मुंबई। कोरियन सिंगर ली सांग यून का निधन हो गया। कथित तौर पर, वह जिमचेओन म्यूनिसिपल क्वायर के 33वें म्यूजिक प्रोग्राम में अपनी परफॉर्म करने वाली थीं। अपनी परफॉर्मेंस से कुछ मिनट पहले ही वह कॉन्सर्ट प्लेस के बाथरूम में मृत पाई गईं। ली सांग को वॉशरूम के फर्श पड़ा देख स्टाफ मेंबर्स ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। इसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है और रिपोर्ट आने का इंतजार कर रही है।

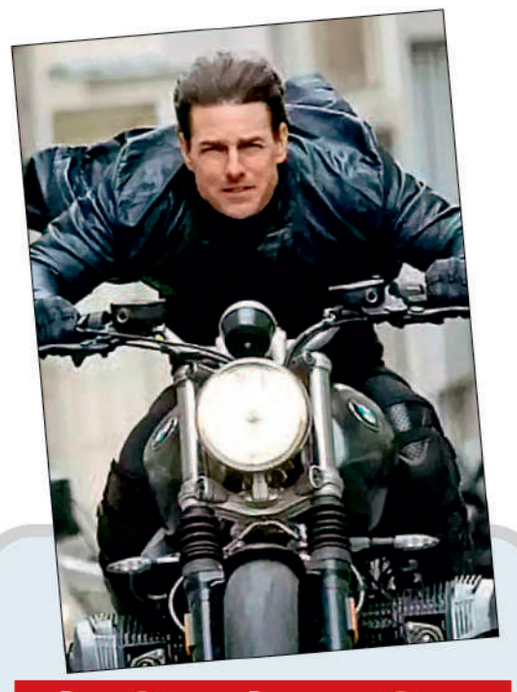

ओपनिंग डे पर किया शानदार कमाल...

लॉस एंजिलस। टॉम क्रूज स्टारर मिशनः इम्पॉसिबल - डेड रेकनिंग पार्ट वन' या 'मिशन इम्पॉसिबल 7' बीते दिन यानी 12 जुलाई को भारत में रिलीज हुई। इस एक्शन-एडवेंचर फिल्म को पहले दिन ऑडियंस का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। इसने इंडिया में अपने ओपनिंग डे पर शानदार कलेक्शन किया है। रिपोर्ट के मुताबिक 'मिशन इम्पॉसिबल 7' ने इंडियन बॉक्स ऑफिस पर अपने पहले दिन 12.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। ये फिल्म भारत में अंग्रेजी, हिंदी, तमिल और तेलुगु में अवेलेबल है। इसी के साथ फिल्म के वीकेंड पर जबदस्त कलेक्शन की उम्मीद जताई जा रही है। हेले ने भी फिल्म में कुछ बेहद इम्प्रेसिव स्टंट किए हैं.रेबेका फर्ग्यूसन इस फिल्म में इल्सा फॉस्ट के रूप में नजर आई हैं। रेबेका के एक्शन सीन भी कमाल के हैं।

जॉन संग रोमांस करती दिखेंगी तमन्ना

मुंबई। एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया इस समय अपनी सीरीज 'जी करदा' को लेकर चर्चा में हैं। एक बेहतरीन परफ़ॉर्मर होने के नाते उन्होंने अपनी एक्टिंग स्किल्स का प्रमाण इस शो में प्रदर्शित किया है वहीं दूसरी ओर एक्शन स्टार जॉन अब्राहम पठान में एक विलेन की भूमिका में नज़र आये, जिसने इंडस्ट्री में खलनायक की एक अलग ही पहचान बना दी। सूत्र के हवाले से तमन्ना भाटिया को एक नए प्रोजेक्ट में जॉन अब्राहम के साथ देखा जाएगा। फ़िल्मी का निर्देशन लोकप्रिय निर्देशक निखिल आडवाणी कर रहे हैं। इसी के साथ ही तमन्ना ने अपने फैंस के साथ कुछ तस्वीरें शेयर कीं जिसमें वे जॉन अब्राहम के साथ दिखाई दीं। यह पहली बार होगा जब दोनों एक साथ सिल्वर स्क्रीन पर साथ दिखाई देंगे।

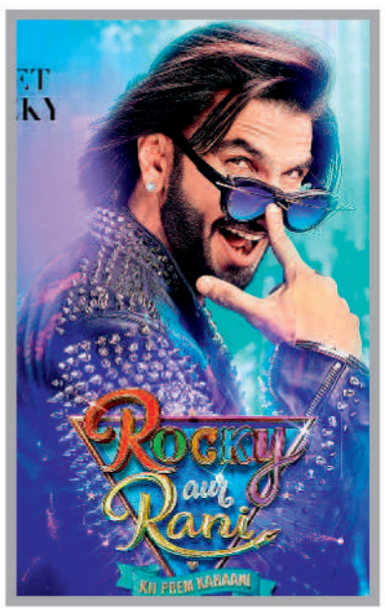

रॉकी और रानी का गाना रिलीज...

मुंबई। अभिनेता रणवीर सिंह और आलिया भट्ट की आने वाली फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी का गाना व्हाट झुमका रिलीज हो गया है। बॉलीवुड फिल्मकार करण जौहर इन दिनों फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' बना रहे हैं। इस फिल्म में रणवीर और आलिया की मुख्य भूमिका है। रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के गाना व्हाट झुमका का टीजर कल रिलीज किया गया था। व्हाट झुमका का पूरा गाना आज रिलीज किया गया है। इस गाने को 'आशा भोंसले के हिट गाने 'झुमका गिरा रे' के तर्ज पर बनाया गया है। 'व्हाट झुमका' आलिया और रणवीर पर फिल्माया गया है। इस गाने को जोनिता गांधी और अरिजीत सिंह ने गाया है। वहीं, संगीत प्रीतम ने दिया है। यह पैपी गाना है, जिसमें रणवीर का एनर्जी भरा डांस और आलिया के जबरदस्त एक्स्प्रेशन देखने को मिल रहे हैं।

टीवी मसाला

दिव्यांका की 'द मैजिक ऑफ शिरी' की रिलीज तारीख टली

नई दिल्ली। छोटे पर्दे की लोकप्रिय अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी पिछले कुछ वक्त से अपनी वेब सीरीज 'द मैजिक ऑफ शिरी' को लेकर चर्चा में हैं। यह सीरीज 13 जुलाई को ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर रिलीज होने वाली थी, लेकिन अभी तक सीरीज का प्रीमियर नहीं हुआ है। ऐसे में दर्शकों को इस सीरीज को देखने के लिए और इंतजार करना पड़ेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जल्द ही 'द मैजिक ऑफ शिरी' की नए तारीख की घोषणा की जाएगी। 'द मैजिक ऑफ शिरी' की स्ट्रीमिंग जियो सिनेमा पर क्यों नहीं हो रही है, इस बारे में जियो सिनेमा की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। इसमें दिव्यांका के अलावा जावेद जाफरी और दास नमिता भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'द मैजिक ऑफ शिरी' की कहानी एक घरेलू महिला के संघर्ष को दिखाती है, जो घरेलू कामकाजी की दुनिया से निकलकर ऐसा काम करना चाहती है, जिसमें उसकी दिलचस्पी है।

आशिका : 'बिग बॉस ओटीटी 2' में वाइल्ड कार्ड के सहारे करेंगी एंट्री

मुंबई। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान द्वारा होस्ट किया जाने वाला पॉपुलर रियलिटी शो 'बिग बॉस ओटीटी 2' अपने ड्रामा, कॉन्ट्रोवर्सी और हाई-ऑक्टेन एंटरटेनमेंट से ऑडियंस का खूब मनोरंजन कर रहा है। शो का हाल ही में दो हफ्ते का एक्सटेंशन मिला है और इसी के साथ 'बिग बॉस ओटीटी 2' में वाइल्ड कार्ड एंट्री को लेकर चर्चा शुरू हो गई हैं। वहीं खबरें हैं कि सोशल मीडिया सेंसेशन और एक्ट्रेस आशिका भाटिया एक वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर 'बिग बॉस ओटीटी 2' के घर में एंट्री करने वाली हैं। आशिका ने अपने सीक्रेट सोशल मीडिया पोस्ट से शो में उनके पार्टिसिपेशन का हिंट भी दिया है। आशिका भाटिया सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा फेमस चेहरों में से एक हैं. आशिका एक सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर होने के अलावा एक्ट्रेस भी हैं। वह परवरिश - कुछ खट्टी कुछ मीठी में 'गुणवंत कौर अहलूवालिया' का रोल प्ले कर घर-घर फेमस हुई थी। उन्होंने फिल्म 'प्रेम रतन धन पायो' में सलमान खान की बहन की भूमिका से लाखों दिल जीते थे। आशिका ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत 9 साल की उम्र में की थी।

कलर्स पर खतरों के खिलाड़ी 13 का प्रीमियर कल ...

मुंबई। जंगल में जीवित रहना कोई आसान काम नहीं है क्योंकि यहां सबसे बड़ी चुनौती अपने सबसे बड़े दुश्मन, अपने डर को हराना है। डर के फैक्टर को बिल्कुल नए स्तर पर बढ़ाते हुए, भारत का सबसे प्रतीक्षित स्टंट-आधारित रियलिटी शो, मारुति सुजुकी की प्रस्तुति 'खतरों के खिलाड़ी 13', एक रोमांचक जंगल-थीम वाले सीज़न के साथ कलर्स पर लौट आया है। निर्विवाद एक्शन मास्टर और शो के मेज़बान, रोहित शेट्टी दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन के जंगल में पहले कभी नहीं देखे गए स्टंट से 14 डेयरडेविल प्रतियोगियों के साहस को जांचेंगे। अदम्य साहस की भावना से भरे हुए, ये प्रतियोगी अपने सबसे बुरे डर की भूलभुलैया को पार करते हुए, अपने शारीरिक और मानसिक कौशल का प्रयोग करते हुए दिखाई देंगे। प्रस्तुतकर्ता प्रायोजक के रूप में मारुति सुज़ुकी के साथ, शो में विशेष भागीदार के रूप में सेरा सेनेटरीवेयर है, और स्मिथ एंड जोन्स पास्ता मसाला, फिनोलेक्स पाइप्स, डार्क फैंटेसी, लाइफबॉय साबुन, रिन लिक्विड, जिलेट, हिमालय एंटी हेयर फॉल शैम्पू, वॉट्सएप, सेलो बटरफ्लो पेन, निरमा शुद्ध साल्ट, जेके टायर्स, शुगरफ्री ग्रीन और 99एकर्स इस सीज़न के सहयोगी प्रायोजक हैं।

इस हफ्ते इन वेब सीरीज का ओटीटी प्लेटफॉर्म पर होगा बोलबाला ...

नई दिल्ली। इस वीकेंड आपको घर से बाहर जाने की जरुरत नहीं है। जुलाई के दूसरे हफ्ते में कोई फिल्म सिनेमाघर पर रिलीज नहीं हो रही है लेकिन कई वेब सीरीज जरुर आ रही हैं। जो आपको घर पर ही एंटरटेन करेंगी। आज हम आपको उन वेब सीरीज के बारे में बताने जा रहे हैं जो इस हफ्ते रिलीज हो रही है। ये कई ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो रही हैं।

कोर्ट रूम ड्रामा, काजोल की द ट्रायल : बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल चाहे कॉमेडी हो या थ्रिलर हर बार अपनी एक्टिंग से किरदार में जान डाल देती हैं। ये कोर्ट रुम ड्रामा सीरीज है जो डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होने जा रही है। ये सीरीज 14 जुलाई को रिलीज होगी। इसमें काजोल, कुबा सैत और फ्लोरा सैनी अहम किरदार निभाते नजर आएंगी। काजोल की द ट्रायल का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

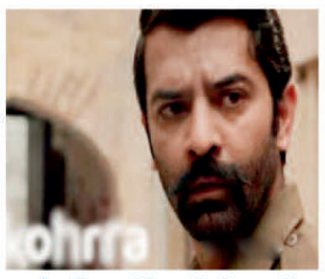

दो पुलिस ऑफिसर्स की कहानी कोहर्रा : दो पुलिस ऑफिसर्स की कहानी कोहर्रा जल्द ही रिलीज होने जा रही है। इस सीरीज की कहानी की बात की जाए तो इसमें एक एनआरआई दूल्हे की शादी से मौत हो जाती है। जिसकी जांच करने में पुलिस ऑफिसर्स लगते हैं। कोहर्रा में बरुण सोबती, हरलीन सेठी, मनीष चौधरी, सुविंदर विक्की, वरुण बडोला और रेचल शैली अहम किरदार निभाते नजर आएंगे। ये सीरीज 15 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

माया बाजार ऑन सेल : नवदीप पल्लापोलु, ईशा रेख्वा, नरेश विजया कृष्णा, हरि तेजा की तेलुगू वेब सीरीज माया बाजार ऑन सेल जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म जी 5 पर रिलीज होने जा रही है। ये सीरीज 14 जुलाई को रिलीज होगी। इन वेब सीरीज को देखकर आप अपने वीकेंड को खास बना सकते हैं। आपको सिनेमाघर भी जाने की जरुरत नहीं है क्योंकि कोई खास फिल्म नहीं रिलीज हो रही है।

बढ़ जाती हैं मानसून के मौसम में अपच, सूजन और पाचन संबंधी जैसी समस्याएं

डाइट में शामिल करें काली मिर्च, कई बीमारियों का रामबाण इलाज

मानसून के मौसम में अपच, सूजन और पेट की परेशानी जैसी पाचन संबंधी समस्याएं आम हैं। ऐसे में अगर आप अपनी डाइन में काली मिर्च को शामिल करते हैं तो पेट में हाइड्रोक्लोरिक एसिड के स्राव को बढ़ाकर पाचन को बढ़ावा देती है। अक्सर बरसात का मौसम हमारी प्रतीक्षा प्रणाली को कमजोर कर देता है। जिससे हम सर्दी, खांसी और पाचन समस्याओं के प्रति संवेदनशील हो जाते हैं। हालांकि इससे निपटने के लिए कई सारी नेचुरल रेमेडीज मौजूद हैं इन्हीं में से एक है काली मिर्च। काली मिर्च ना सिर्फ आपके खाने में स्वाद जोड़ती है बल्कि आपके सेहत के लिए भी कई फायदे प्रदान करती है। खासकर के मानसून के मौसम में इससे आपको खूब फायदा पहुंचता है।

एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन सी से भरपूर

इम्यूनिटी बूस्टर-काली मिर्च एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन सी से भरपूर होती है, जो इसे एक स्ट्रॉन्ग इम्यून बूस्टर बनाती है। मानसून के मौसम के दौरान जब संक्रामक रोग बहुत ज्यादा बढ़ जाते हैं तो काली मिर्च का सेवन आपके शरीर की रक्षा तंत्र को बढ़ा सकता है। यह आपकी प्रतीक्षा प्रणाली को मजबूत करने में मदद करता है। हानिकारक रोगजनकों से बचाता है और बीमार पड़ने के जोखिम को कम करता है।

सर्दी-खांसी व जुकाम फ्लू से बचाए

मॉनसून अक्सर सर्दी खांसी और कंजेशन जैसी सांस संबंधी समस्याएं लेकर आता है। काली मिर्च एक प्राकृतिक कफ तोड़ने के रूप में कार्य करती है। यह बलगम के जमाव से राहत दिलाने में मदद करती है। काली मिर्च में पाया जाने वाला पिपेरिन नमक तीखा कंपाउंड वायु प्रवाह को उत्तेजित करता है और नेजेल कंजेशन को दूर करता है।

पोषक तत्वों के अवशोषण को बढ़ाए

काली मिर्च हमारे शरीर में पोषक तत्वों की बायोअवेलेबिलिटी को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है इसमें पिपेरिन नामक एक यौगिक होता है जो विटामिन, खनिज और एंटीऑक्सीडेंट जैसे अलग-अलग पोषक तत्व के अवशोषण में सुधार करता है। अपने भोजन में काली मिर्च आवश्यक पोषक तत्वों को प्रभावी ढंग से अवशोषित करता है।

पाचन में सुधार: मानसून के मौसम में अपच, सूजन और पेट की परेशानी जैसी पाचन संबंधी समस्याएं आम हैं। काली मिर्च पेट में हाइड्रोक्लोरिक एसिड के स्राव को बढ़ाकर पाचन को बढ़ावा देती है। यह जटिल खाद्य घटकों को तोड़ने में सहायता करता है। काली मिर्च में ऐसे गुण होते हैं जो पेट फूलने से राहत दिलाने और आंतों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में मदद करते हैं।

हड्डी के जोड़ों में दर्द से राहत

मानसून के मौसम में गठिया, जोड़ों का दर्द और सूजन जैसी सूजन संबंधी बीमारियां बढ़ सकती हैं। काली मिर्च में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो इन स्थितियों से राहत दिला सकते हैं। सक्रिय यौगिक पिपेरिन को सूजन को कम करने और दर्द को कम करने के लिए जाना जाता है।

प्राकृतिक एंटीबायोटिक इंफेक्शन से बचाए

मानसून के मौसम में वातावरण में बैक्टीरिया और वायरस की मौजूदगी के कारण संक्रमण होने का खतरा बढ़ जाता है। काली मिर्च में एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं जो कई बैक्टीरिया के विकास को रोक सकते हैं। ये एक प्राकृतिक एंटीबायोटिक के रूप में कार्य करता है। हानिकारक बैक्टीरिया के विकास को रोकता है। काली मिर्च का नियमित सेवन माइक्रोबियल आक्रमण से बचाने और आपको स्वस्थ रखने में मदद कर सकता है।

खबर संक्षेप

विप्रो का पहली तिमाही लाभ 12 प्रतिशत बढ़ा

बेंगलुरु। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवाप्रदाता विप्रो का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून, 2023) का एकीकृत शुद्ध लाभ 12 प्रतिशत बढ़कर 2,870 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी का बीते वित्त वर्ष (2022-23) की पहली तिमाही में 2,563.6 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ कमाया था।

फेडरल बैंक के लाभ में 29 फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली। फेडरल बैंक का चालू वित्त वर्ष की जून में समाप्त पहली तिमाही का शुद्ध लाभ 29 प्रतिशत बढ़कर 854 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। डूबा कर्ज घटने से बैंक का मुनाफा बढ़ा है। दक्षिण के इस निजी क्षेत्र के बैंक ने एक साल पहले की समान तिमाही में 661 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। उसकी कुल आय बढ़कर 5,757 करोड़ रुपये पर पहुंच गई।

पीवीआर आइनॉक्स में खानपान हुआ सस्ता

नई दिल्ली। मल्टीप्लेक्स श्रृंखला पीवीआर आइनॉक्स ने खाद्य और पेय पदार्थों की कीमतों में 40 प्रतिशत तक की कटौती की है। इससे पहले कंपनी को सोशल मीडिया पर अपनी दरों को लेकर विरोध का सामना करना पड़ा था। सोमवार से गुरुवार तक सुबह नौ बजे से शाम छह बजे के बीच 99 रुपये से शुरू होने वाले फूड कॉम्बो पेश किए।

गोल्डी सोलर का इनवर्टर के कारोबार में प्रवेश

नई दिल्ली। नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी गोल्डी सोलर ने गुरुवार को बताया कि वह वीएएमए ऑन-ग्रिड इनवर्टर पेश करने के साथ बिजली भंडारण समाधान कारोबार में प्रवेश कर रही है। 'कंपनी ने स्मार्ट इनवर्टर कारोबार में प्रवेश करते हुए वीएएमए ऑन ग्रिड श्रृंखला को पेश किया है। ऑन-ग्रिड अनुप्रयोगों के लिए बनाया गया यह इनवर्टर एकल-फेज और तीन-फेज में उपलब्ध हैं।

स्विगी ने लिंक के अधिग्रहण के लिए किया पक्का करार

दिल्ली। उपभोक्ताओं के ऑर्डर पर उनके पास खानपान का सामान पहुंचाने वाले ऑनलाइन मंच स्विगी ने लिंक लॉजिस्टिक्स लिमिटेड का अधिग्रहण करने का पक्का करार किया है। स्विगी ने हालांकि सौदे की कीमत का खुलासा नहीं किया है। इस सौदे के बाद से स्विगी ने प्रौद्योगिकी आधारित वितरण मंच के साथ देश के व्यापक खुदरा बाजार में पदार्पण किया है।

पुणे की गेरा ने बच्चन को बनाया ब्रांड अम्बैसडर

नई दिल्ली। पुणे की रियल एस्टेट कंपनी गेरा डेवलपमेंट्स ने बॉलीवुड के सुपरस्टार अमिताभ बच्चन को कंपनी का ब्रांड अम्बैसडर बनाया है।

गेरा डेवलपमेंट्स ने बयान में कहा कि वह जल्द ही बच्चन को लेकर मीडिया अभियान शुरू करेगी। कंपनी घर खरीदारों के साथ बेहतर तरीके से जुड़ने के लिए कई गतिविधियों की योजना भी बना रही है। कंपनी के प्रबंध निदेशक रोहित गेरा ने कहा, 'गेरा डेवलपमेंट्स की पहचान के रूप में बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन को पाकर हमें बेहद खुशी हो रही है। बच्चन बेहतरीन काम करने वाले व्यक्ति हैं।'

मस्क भारत में 20 लाख में टेस्ला की कार लाएंगे, प्लांट लगाने का दिया प्रस्ताव

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एलन मस्क की ईवी विनिर्माण कंपनी टेस्ला भारतीय बाजार में 20 लाख रुपए की कीमत में इलेक्ट्रिक कार लेकर आएगी। कंपनी का लक्ष्य भारत में प्लांट लगाकर हर साल 5 लाख इलेक्ट्रिक व्हीकल बनाने का है। पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने अमेरिका के दौरे में एलन मस्क से बातचीत की थी। भारत में विनिर्माण प्लांट लगाने के लिए टेस्ला सरकार से चर्चा कर रही है। कंपनी ने भारत सरकार से देश में खुद की सप्लाई चेन स्थापित करने और टैक्स में छूट को लेकर चर्चा की है। सरकार ने कंपनी से देश की मौजूदा ऑटो कॉम्पोनेंट सप्लाई चेन का इस्तेमाल करने का सुझाव दिया है।

- अमेरिकन मार्केट में अभी टेस्ला की चार इलेक्ट्रिक कारें बेची जा रही

कंपनी का लक्ष्य भारत में हर साल 5 लाख इलेक्ट्रिक वाहन बनाने का

पिछले माह पीएम से मिले थे मस्क

पिछले महीने एलन मस्क ने प्रधानमंत्री मोदी से न्यूयॉर्क में मुलाकात की थी। पीएम मोदी से मुलाकात के बाद टेस्ला के भारत आने की टाइमलाइन के बारे में पूछे जाने पर मस्क ने कहा था, 'मुझे विश्वास है कि टेस्ला जल्द भारत में होगी।'

आयात पर सौ फीसदी टैक्स

बीते साल भी टेस्ला ने इलेक्ट्रिक व्हीकल मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट को भारत में लगाने का प्रस्ताव रखा था लेकिन केंद्र सरकार ने कंपनी की कार पर इम्पोर्ट टैक्स को कम करने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। बता दें कि केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रिक व्हीकल पर 100 फीसदी इम्पोर्ट टैक्स लगाने का प्रस्ताव रखा है।

भारतीय ईकोसिस्टम से जरूरत पूरी करे टेस्ला

भारत सरकार ने टेस्ला से उनकी जरूरतों के बारे में पूछा है और उनसे भारतीय ईकोसिस्टम से अपनी जरूरतों को पूरा करने की अपील की है। हालांकि, कंपनी के पास खुद के सप्लायर्स हैं। कंपनी इसके बारे में विचार करेगी और कुछ प्रोग्रेस होगी।

मॉडल तीन सबसे सस्ती कार

अमेरिकन बाजार में अभी टेस्ला की चार इलेक्ट्रिक कारें बेची जा रही हैं। इनमें मॉडल एस, मॉडल 3, मॉडल एक्स और मॉडल वाई शामिल हैं। अमेरिका में इसकी कीमत 32,740 डॉलर (करीब 26.87 लाख रुपए) है। ये कार एक बार फुल चार्ज करने पर 535 किलोमीटर चलती है।

1.7 लाख व्यापारियों को बनाया ग्राहक

एचडीएफसी बैंक ने सीबीडीसी से एक लाख से अधिक ग्राहकों को जोड़ा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

एचडीएफसी बैंक ने गुरुवार को दावा किया कि उसने पायलट आधार पर जारी सेंट्रल बैंक डिजिटल रुपये (सीबीडीसी) से एक लाख से अधिक ग्राहकों और 1.7 लाख से ज्यादा व्यापारियों को जोड़ा है।

बैंक ने आपसी लेन-देन को सुलभ बनाने के लिये ई-रुपया मंच के साथ यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस) 'क्यूआर कोड' भी चालू किया है।

सीबीडीसी केंद्रीय बैंक की तरफ से जारी मुद्रा का डिजिटल रूप है। भारतीय रिजर्व बैंक ने पिछले साल नवंबर में थोक खंड में पायलट आधार पर सेंट्रल बैंक डिजिटल मुद्रा कार्यक्रम शुरू किया था।

- लेन-देन को सुलभ बनाने क्यूआर कोड शुरू किया
- डिजिटल रुपए में लेन-देन प्रतिदिन 10 लाख करने की योजना
- पायलट प्रोजेक्ट में बैंकों की संख्या बढ़कर 13 हुई

पिछले साल दिसंबर से शुरू हुआ खुदरा लेन-देन

दिसंबर में इसे खुदरा लेन-देन के लिये पेश किया गया था। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर टी रवि शंकर ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि मौद्रिक प्राधिकरण साल के अंत तक डिजिटल रुपये में लेन-देन को 5,000-10,000 प्रतिदिन से बढ़ाकर 10 लाख प्रतिदिन करने की योजना बना रहा है।

एकीकरण प्रक्रिया पूरा करने वाला पहला बैंक

सीबीडीसी पेश करने के बाद केंद्रीय बैंक ने जून में यूपीआई के जरिये डिजिटल रुपये के आपस में लेन-देन की घोषणा की। एचडीएफसी बैंक ने गुरुवार को 'यूपीआई क्यूआर कोड' शुरू करने के साथ कहा कि वह एकीकरण प्रक्रिया पूरी करने वाले पहले बैंकों में से एक है।

सीबीडीसी के तीन लाख कारोबारी

पायलट परियोजना में बैंकों की संख्या शुरू में आठ थी जो अब बढ़कर 13 हो गयी है। वर्तमान में सीबीडीसी के 13 लाख उपयोगकर्ता हैं, जिनमें तीन लाख कारोबारी हैं। शंकर ने कहा कि इस साल अप्रैल के अंत तक केवल एक लाख उपयोगकर्ता थे, जो अब बढ़कर 13 लाख हो गये हैं।

दैनिक लेनदेन में सीबीडीसी का उपयोग बढ़ा

बैंक ने इसमें शामिल व्यापारियों को अपने ग्राहकों से डिजिटल रुपये में भुगतान को स्वीकार करने की अनुमति दी है। इससे दैनिक लेन-देन में सीबीडीसी का उपयोग बढ़ा है। सीबीडीसी से जुड़े ग्राहक संबंधित टर्मिनल पर 'यूपीआई क्यूआर कोड' को स्कैन कर डिजिटल रुपये में आपस में लेन-देन कर सकते हैं।

26 शहरों में ई-रुपया भुगतान की सुविधा

एचडीएफसी बैंक फिलहाल 26 शहरों में ई-रुपया भुगतान सुविधा प्रदान कर रहा है। इसमें सभी प्रमुख महानगरों के अलावा भुवनेश्वर, गुवाहाटी, गंगटोक, इंदौर, भोपाल, लखनऊ, पटना, कोच्चि, गोवा, शिमला, जयपुर, रांची, नागपुर, वाराणसी, विशाखापत्तनम, पुडुचेरी और विजयवाड़ा जैसे शहर शामिल हैं।

अदाणी ने बांड के जरिए 1,250 करोड़ रुपए जुटाए

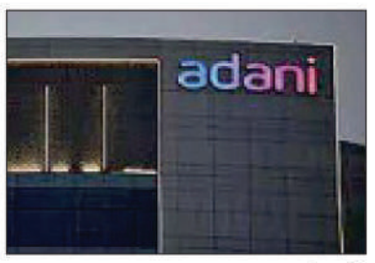

- हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद पहली बार बांड से जुटाई राशि
- समूह ने गैर - परिवर्तनीय डिबेंचर जारी किए थे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

उद्योगपति गौतम अडाणी की प्रमुख कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज लि. ने स्थानीय स्तर पर बांड जारी कर 1,250 करोड़ रुपये जुटाये हैं।

अमेरिकी वित्तीय शोध और निवेश कंपनी हिंडनबर्ग की अदाणी समूह के खिलाफ रिपोर्ट के बाद यह पहला मौका है जब बांड के जरिये पैसे जुटाये गये हैं। अदाणी एंटरप्राइजेज ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसने निजी नियोजन के आधार पर एक-एक लाख रुपये के 1,25,000 गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) जारी कर 1,250 करोड़ रुपये जुटाये हैं। कंपनी ने ब्याज दर के बारे में जानकारी नहीं दी है, पर नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लि. के आंकड़ों के अनुसार तीन साल की अवधि के बांड पर सालाना 10 प्रतिशत ब्याज (कूपन रेट) मिलेगा। हिंडनबर्ग रिसर्च की इस साल जनवरी में रिपोर्ट आने के बाद यह पहला मौका है जब अदानी समूह ने स्थानीय कॉरपोरेट बांड बाजार में कदम रखा है। अदाणी एंटरप्राइजेज ने आखिरी बार पिछले साल सितंबर में 17 महीनों के लिये 8.40 प्रतिशत के प्रतिफल पर बांड से राशि जुटायी थी। हिंडनबर्ग ने रिपोर्ट में अदाणी समूह पर बही-खातों में धोखाधड़ी और शेयरों के भाव में गड़बड़ी के साथ विदेशी इकाइयों के अनुचित उपयोग का आरोप लगाया था। इन आरोपों के बाद समूह के शेयरों में बड़ी गिरावट आई थी।

कर्ज को समय से पहले चुकाना है

समूह ने सारे आरोपों को आधारहीन बताया था। उसके बाद से समूह अपनी स्थिति मजबूत करने की दिशा में काम कर रही है। इसमें पूंजी प्रवाह को लेकर चिंता दूर करने के लिये कर्ज को समय से पहले चुकाना, नई परियोजनाओं पर खर्च की गति को कम करना आदि शामिल हैं।

सेंसेक्स ने पहली बार पार किया 66,000 अंक का स्तर

एजेंसी ▶▶ मुंबई

घरेलू शेयर बाजारों में गुरुवार को तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 165 अंक बढ़त में रहा। कारोबार के दौरान दोनों मानक सूचकांकों में रिकॉर्ड मजबूती आई और एक समय सेंसेक्स पहली बार 66,000 अंक के स्तर के पार निकल गया था।

- बीएसई सेंसेक्स में 165 अंक की बढ़त दर्ज
- वैश्विक बाजारों में तेजी का असर घरेलू बाजार पर

अमेरिका में खुदरा मुद्रास्फीति में नरमी के बीच वैश्विक बाजारों में तेजी के साथ घरेलू बाजार में मजबूती आई। इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) जैसे प्रमुख शेयरों में लिवाली से भी तेजी को समर्थन मिला।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 164.99 अंक की तेजी के साथ 65,558.89 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 670.31 अंक बढ़त के साथ अबतक के उच्चतम स्तर 66,064.21 अंक पर चला गया था। निफ्टी भी 29.45 अंक की तेजी के साथ 19,413.75 अंक पर बंद हुआ। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, घरेलू बाजार में आज की तेजी को आईटी शेयरों में लिवाली से समर्थन मिला। निवेशक आईटी कंपनियों में स्थिर मार्जिन, नई पीढ़ी के कारोबार के अवसर देख रहे हैं... अमेरिका में मुद्रास्फीति में कमी आई है।

इन शेयरों में रही घट-बढ़

सेंसेक्स के शेयरों में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इन्फोसिस, बजाज फिनसर्व, टेक महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक, विप्रो और बजाज फाइनेंस प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में पावर ग्रिड, मारुति, एनटीपीसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, हिंदुस्तान यूनिलीवर और नेस्ले शामिल हैं।

होंडा ने डियो 125 स्कूटर बाजार में उतारा

नई दिल्ली। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने गुरुवार को अपने नए स्कूटर डियो 125 को पेश किया। इसकी शुरुआती कीमत 83,400 रुपये है। डियो इससे पहले 110 सीसी इंजन क्षमता में उपलब्ध थी।

कंपनी ने अत्याधुनिक विशेषताओं से लैस 125 सीसी इंजन वाला नया संस्करण पेश किया है। 'होंडा डियो 125 अपने बिल्कुल नए 125 सीसी अवतार में युवा भारतीय ग्राहकों की इच्छाओं को ध्यान में रखते हुए विशिष्ट रूप से डिजायन और विकसित की गई है।'

सौंध ने रायपुर में लांच किया 27 वां आउटलेट

रायपुर। सौंध ने अपना नया स्टोर अम्बुजा सिटी सेंटर में खोला, जिसे कई लक्जरी ब्राण्ड्स के लिए शहर में जाना जाता है। स्टोर में सौंध की ओर से सम्पूर्ण रीटेल कलेक्शन मौजूद है, जिसमें महिलाओं के लिए रैडी-टू-वियर परिधान जैसे कुर्ता सेट, ड्रैसेज एवं काफ्तान, टॉप एवं ट्यूनिक, जैकेट और फेस्टिव सेंट शामिल हैं।

900 वर्गफीट से अधिक क्षेत्रफल में फैले इस स्टोर में सहज डिजाइन का इंटीरियर है जो ब्राण्ड के कलरफुल प्रोडक्ट्स को हाईलाइट करता है, साथ ही स्टोर की वुडन फर्नीशिंग इसे नैचुरल टच देती है। स्टोर के उद्घाटन के अवसर पर गुरपीत बाबरा, चेयरमैन, छतीसगढ़ फूड एसोसिएशन एवं श्रीमति सिमरन कौर बाबरा भी मौजूद रहे। नए स्टोर के लांच के अवसर पर सौंध के संस्थापक एवं सीईओ सरबजीत सलूजा ने कहा, 'रायपुर बड़ी तेजी से मध्य भारत के फैशन हब के रूप में उभर रहा है, यहां स्थानीय हैण्डीक्राफ्ट एवं टेक्सटाइल्स को खूब पसंद किया जाता है। सौंध हमेशा से आधुनिक भारतीय महिलाओं की जरूरतों को पूरा करने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध रहा है, ऐसे में रायपुर में यह विस्तार हमारे लिए परफैक्ट है। शहर की समृद्ध कलात्मक धरोहर को देखते हुए, हम अपने लक्जरी परिधानों को सभी के लिए सुलभ बनाएंगे। हमें विश्वास है कि हमारा यह कलेक्शन शहर की महिलाओं को खूब लुभाएगा।'

- अम्बुजा मॉल में खुले स्टोर में महिलाओं के लिए किफायती लक्जरी ब्रांड का कलेक्शन

19 शहरों में ब्रांड स्थापित

अब तक सौंध सिलिगुड़ी, चेन्नई, मुंबई, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता और जयपुर सहित देश के 19 शहरों में अपने आप को मजबूती से स्थापित कर चुका है। ब्राण्ड में अगले 5 सालों में 200 करोड़ से अधिक के अनुमानित टर्नओवर के साथ अपने स्टोर्स की संख्या को 50 तक पहुंचाने की योजनाएं बनाई है।

चांदी में 2300 रुपए का बड़ा उछाल बढ़कर 75,000 रुपए प्रति किग्रा

- सोना 400 रुपए चढ़कर 60,100 रुपए प्रति दस ग्राम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में गुरुवार को सोने का भाव 400 रुपये की तेजी के साथ 60,100 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 59,700 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं चांदी की कीमत 2,300 रुपए के जोरदार उछाल के साथ 75,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने कहा कि गुरुवार को सोने की कीमतों में तेजी देखी गई। दिल्ली में सोने की हाजिर कीमत पिछले दिन के बंद भाव के मुकाबले 400 रुपये की तेजी के साथ 60,100 रुपये प्रति 10 ग्राम पर थी। विदेशी बाजारों में सोना तेजी के साथ 1,960 डॉलर प्रति औंस हो गया जबकि चांदी बढ़त के साथ 24.17 डॉलर प्रति औंस पर थी।

कॉमेक्स में सोने में आई तेजी: गांधी ने कहा कि अमेरिका के उपभोक्ता मुद्रास्फीति के आंकड़े उम्मीद से कम रहने के बाद कॉमेक्स में सोने की कीमतों में तेजी आई और इसमें चार सप्ताह के उच्चतम स्तर पर कारोबार हुआ।

एलएंडटी ने चंद्रयान-3 के पुर्जों की आपूर्ति की

नई दिल्ली। लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने गुरुवार को कहा कि उसने भारत के चंद्रमा मिशन 'चंद्रयान-3' के लिए विभिन्न पुर्जों की आपूर्ति की है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि इस मिशन के लिए 'मध्य खंड और नोजल बकेट फ्लैंज' जैसे पुर्जों का विनिर्माण पवई स्थित उसके संयंत्र में किया गया। इसके अलावा 'ग्राउंड और फ्लाइट अम्बिलिकल प्लेट' जैसे घटक कोयंबटूर स्थित कंपनी के एयरोस्पेस विनिर्माण संयंत्र में तैयार किए गए। एलएंडटी डिफेंस के कार्यकारी उपाध्यक्ष और प्रमुख ए टी रामचंद्रानी ने कहा, 'अंतरिक्ष क्षेत्र भारतीय उद्योग के लिए खुल रहा है और हम भविष्य के अंतरिक्ष कार्यक्रमों में बड़ी भूमिका निभाने के लिए इसरो के साथ मिलकर काम करेंगे।' कंपनी ने बताया कि इन सभी पुर्जों की आपूर्ति तय समय से पहले कर दी गई थी।

सीईओ दुबे ने कहा, एयरलाइन अच्छी तरह पूंजीकृत

आकाश एयर जल्द अंतरराष्ट्रीय उड़ान के लिए तैयार

एजेंसी ▶▶ मुंबई

आकाश एयर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विनय दुबे ने कहा है कि एयरलाइन 'अच्छी तरह पूंजीकृत' है और उनके पास इस साल के अंत तक तीन अंक में विमानों का ऑर्डर देने के लिए पर्याप्त धन है। उन्होंने साथ ही कहा कि एयरलाइन में अधिक तेजी से बढ़ने की क्षमता है। आकाश एयर अगले महीने अपने परिचालन का एक साल पूरा करने जा रही है। इस बारे में दुबे ने कहा, 'हमने अपनी अपेक्षाओं को पूरा किया है।' इस समय विमानन कंपनी के पास 19 विमान हैं और 20वां विमान उसके बेड़े में इस महीने शामिल हो सकता है। कंपनी जल्द ही अंतरराष्ट्रीय परिचालन शुरू करने के लिए तैयार है।

- एयरलाइन के पास विमानों का ऑर्डर देने के लिए पर्याप्त धन

अगले 20 साल विमानन क्षेत्र के लिए स्वर्ण युग

सीईओ ने कहा कि अगले 20 साल 'विमानन क्षेत्र के लिए स्वर्ण युग' होने जा रहे हैं और देश में अगले 15 से 20 साल में करीब 2,000 विमान होंगे और अधिक संख्या में हवाई अड्डे होंगे। दुबे ने कहा, 'हम जिस स्तर पर हैं, वहां बहुत-बहुत खुश हैं। मुझे लगता है कि काफी वृद्धि हो रहा है।' एयरलाइन के बेड़े में 20 विमान होने पर वह अंतरराष्ट्रीय परिचालन शुरू कर सकती है।

तीन अंकों में ऑर्डर देने के लिए पूंजी

दुबे ने में कहा कि एयरलाइन 'अच्छी तरह से पूंजीकृत' है। आकाश एयर के संस्थापक और सीईओ ने कहा, 'मुझे लगता है कि हमारे पास पर्याप्त वित्तपोषण है। हमारे पास 72 विमानों और चार अतिरिक्त विमानों का ऑर्डर देने के लिए पर्याप्त पूंजी थी- इसके अलावा इस साल के अंत तक तीन अंक में विमान का ऑर्डर देने के लिए पर्याप्त पूंजी है।'

76 बोइंग विमानों का दिया ऑर्डर

हालांकि, उन्होंने इस बारे में कोई विशेष वित्तीय विवरण नहीं दिया। एयरलाइन ने 76 बोइंग विमानों का ऑर्डर दिया है। दुबे ने एयरलाइन के बारे में कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हम इस बात में उलझे हुए हैं कि हम थोड़ा तेजी से बढ़ेंगे या धीमी गति से। हम स्थिरता चाहते हैं। हम एक ऐसी एयरलाइन बनाना चाहते हैं जो समय की कसौटी पर खरी उतरेगी।'

चीन का निर्यात जून में 12.4 फीसदी घटा

हांगकांग। चीन का निर्यात जून में सालाना आधार पर 12.4 प्रतिशत घट गया। दुनिया भर में केंद्रीय बैंकों के मुद्रास्फीति पर लगाम लगाने के लिए ब्याज दरें बढ़ाने के बाद मांग कमजोर पड़ने से चीन के निर्यात में गिरावट आई है। आयात में 6.8 प्रतिशत की गिरावट आई है। विदेश व्यापार में कमजोरी से दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ गया है। इस साल जनवरी-जून में आयात और निर्यात सहित चीन का कुल व्यापार सालाना आधार पर लगभग पांच प्रतिशत घट गया।

खबर संक्षेप

शुभम ने 67 किग्रा में जीता स्वर्ण पदक

ग्रेटर नोएडा। भारतीय भारोत्तोलक शुभम टोडकर ने गुरुवार को यहां राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप के दूसरे दिन 61 किग्रा स्पर्धा का स्वर्ण पदक अपने नाम किया लेकिन वह इस वजन वर्ग में सर्वश्रेष्ठ भारोत्तोलक नहीं बने, यह बाजी हमवतन सिद्धांत गोगोई ने जूनियर वर्ग में मारी। शुभम आगामी विश्व चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में शामिल हैं, उन्होंने 259 किग्रा (115 किग्रा + 144 किग्रा) का वजन उठाया जबकि सिद्धांत का सर्वश्रेष्ठ प्रयास 260 किग्रा (112 किग्रा + 148 किग्रा) का रहा जिससे वह जूनियर चैंपियन बने। सिद्धांत ने शंकर लापुंग को पछाड़ा जिन्होंने 249 किग्रा का वजन उठाया।

चेन्नईयिन एफसी ने मरे से करार किया

चेन्नई। इंडियन सुपर लीग टीम चेन्नईयिन एफसी ने 2023-24 सत्र से पहले आस्ट्रेलियाई फुटबॉलर जोर्डन मरे के रूप में पहले विदेशी खिलाड़ी के तौर पर करार किया। जोर्डन पिछले सत्र में थाईलैंड के क्लब नाखोन रातचासिमा एफसी की ओर से खेले थे। वह पहले भी आईएसएल में खेल चुके हैं। जोर्डन ने 2020-21 सत्र में केरला ब्लास्टर्स एफसी की ओर से खेलते हुए आईएसएल में पदार्पण किया था और फिर वह 2021-22 सत्र में जमशेदपुर एफसी के लिये खेले थे जिसमें उन्होंने आईएसएल शील्ड भी जीती थी। आईएसएल के इन दो सत्र में उन्होंने 34 मैचों में 11 गोल दागे थे।

एंथनी को भारतीय कोच बनाने की सिफारिश

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की तकनीकी समिति ने गोकुलम केरल एफसी को पिछले दो सत्र में इंडियन वूमेंस लीग खिताब दिलाने वाले एंथनी एंड्रयूज को भारतीय महिला टीम का कोच बनाने की सिफारिश की है। एंड्रयूज भारत के उन युवा कोच में शामिल हैं जिनके पास एएफसी 'ए' लाइसेंस है। उनके कोच रहते हुए गोकुलम केरल ने 2020-21 और 2022-23 में आईडब्लूएल का खिताब जीता था। अपने जमाने के दिग्गज फुटबॉलर आईएम विजयन की अध्यक्षता वाली एआईएफएफ की तकनीकी समिति ने एंड्रयूज को भारतीय महिला टीम का कोच बनाने की सिफारिश की है।

साइना ने अमरनाथ में किए शिवलिंग के दर्शन

श्रीनगर। शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने गुरुवार को यहां दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित अमरनाथ की पवित्र गुफा में प्राकृतिक रूप से बर्फ से बने शिवलिंग के दर्शन किए। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि साइना सोनमर्ग में एक रिजॉर्ट में ठहरी हैं जो यात्रा के बालटाल 'बेस कैंप' के रास्ते में पड़ता है। अधिकारियों ने कहा कि साइना ने अपनी मां ऊषा नेहवाल के साथ भगवान शिव की पवित्र गुफा के दर्शन किए।

विद्वत के चार विकेट दक्षिण क्षेत्र का दबदबा

बेंगलुरु। दक्षिण क्षेत्र के तेज गेंदबाजों ने गुरुवार को यहां दलीप ट्राफी फाइनल के दूसरे दिन पश्चिम क्षेत्र के स्टंप तक 129 रन के स्कोर पर सात विकेट झटककर पहले दिन टीम के खराब प्रदर्शन की भरपायी करने में मदद की। पश्चिम की टीम अब भी दक्षिण क्षेत्र से 84 रन से पिछड़ रही है। इससे पहले दक्षिण क्षेत्र की टीम पहली पारी में 213 रन पर सिमट गई थी जिसने सुबह सात विकेट पर 182 रन से खेलना शुरु किया था। पृथ्वी शॉ और हार्विक देसाई ने पश्चिम क्षेत्र को एक विकेट पर 97 रन के स्कोर तक पहुंचाया। शॉ ने अपनी 65 रन की पारी के दौरान कुछ शानदार शॉट लगाए।

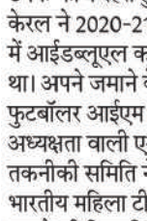

भारतीय महिला टीम ने 2-1 से जीती टी-20 सीरीज

एजेंसी ▶▶| मीरपुर

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने तीन मैचों की यह श्रृंखला टी20 श्रृंखला 2-1 से अपने नाम की। बांग्लादेश की महिला क्रिकेट टीम गुरुवार को यहां तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में चार विकेट की सांत्वना भरी जीत दर्ज करने में सफल रही। भारतीय टीम को अपने प्रदर्शन में सुधार करने के लिए काफी कुछ करना होगा। अब 16 जुलाई से दोनों टीम तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिए आमने सामने होंगी।

टीम इंडिया 102 रन पर आलआउट

भारत ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट गंवाकर 102 रन बनाए। पिछले मैच में बांग्लादेश की टीम 96 रन के लक्ष्य का पीछा भी नहीं कर पाई थी लेकिन वह 18.1 ओवर में इस लक्ष्य तक पहुंचने में सफल रही। उसके लिए सलामी बल्लेबाज शमिमा सुल्ताना (46 गेंद में 42 रन) ने पारी संभाली और टीम इस मैच में सांत्वना भरी जीत हासिल कर पाई।

हरमनप्रीत के टी-20 में बतौर कप्तान 2222 रन

कप्तान हरमनप्रीत कौर के बल्ले से 40 रन निकले। इस दौरान उन्होंने टी-20 में एक खास उपलब्धि हासिल की। बता दें कि उन्होंने बतौर कप्तान टी-20 में रनों का अंबार लगाते हुए पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम (2195 रन) को पछाड़ दिया है। वह सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में चौथे स्थान पर पहुंच गई है।

बतौर कप्तान सबसे ज्यादा रन

खिलाड़ी	रन
मेग लेनिंग	2619
चार्लोट एडवर्ड्स	2529
एरोन फिंच	2236
हरमनप्रीत कौर	2222*
बाबर आजम	2195

स्कोर बोर्ड

भारत	रन	गेंद	4	6
मंधाना का फाहिमा बो सुल्ताना	01	02	0	0
शेफाली का शोर्ना बो सुल्ताना	11	14	1	0
जेमिमा स्टं निगार बो शोर्ना	28	26	4	0
हरमनप्रीत स्टं निगार बो फाहिमा	40	41	3	1
यस्तिका स्टं बो रबिया खान	12	17	1	0
अमनजोत कौर रन आउट	02	05	0	0
पूजा वस्त्राकर बो नाहिदा अख्तर	02	06	0	0
दीप्ति का नाहिदा बो रबिया	04	06	0	0
मीनू मणि बो रबिया खान	01	02	0	0
देविका वैद्य नाबाद	01	01	0	0
अतिरिक्त : 00, कुल : 20 ओवर में 102/9				
गेंदबाजी : सुल्ताना 3-0-15-0, सुल्ताना 4-0-17-2, नाहिदा 4-0-23-1, फाहिमा 4-0-25-1, रबिया 4-0-16-3, शोर्ना 1-0-6-1.				
बांग्लादेश	रन	गेंद	4	6
शार्मी का मंधाना बो मणि	10	10	1	0
शमिमा रन आउट	42	46	3	0
दिलारा स्टं भाटिया बो मणि	01	06	0	0
निगार का भाटिया बो वैद्य	14	20	0	0
शोर्ना का वस्त्राकर बो रोड्रिग्स	02	07	0	0
सुल्ताना का मंधाना बो वैद्य	12	08	2	0
रितु मोनी नाबाद	07	08	0	0
नाहिदा अख्तर नाबाद	10	06	1	0
अतिरिक्त : 05, कुल : 18.2 ओवर में 103/6				
गेंदबाजी : दीप्ति 3.2-0-15-0, मीनू 4-0-28-2, राधा 4-0-31-0, देविका 4-0-16-2, शेफाली 1-0-4-0, जेमिमा 2-0-9-1.				

डेब्यू मैच में भारत के लिए शतक जड़ने वाले 17वें खिलाड़ी बने जायसवाल

पदार्पण मैच में यशस्वी शतक रोहित की टेस्ट में 10वीं सेंचुरी

एजेंसी ▶▶| रोसीयू

यशस्वी जायसवाल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पदार्पण टेस्ट मैच की पहली पारी में ही दमदार शतक ठोक दिया है। ये शतक जड़कर उन्होंने अपनी काबिलियत दुनिया के सामने पेश कर दी है कि उन्हें टेस्ट टीम में चुनकर सेलेक्टर ने एकदम सही फैसला लिया है। डोमिनिका में खेले जा रहे पहले टेस्ट के दूसरे दिन यशस्वी के साथ ही रोहित का बल्ला जमकर गरजा। रोहित ने अपने कॅरियर का 10वां शतक ठोका है। वे 103 रन बनाकर आउट हुए। समाचार लिखे जाने तक यशस्वी 125 रन बनाकर खेल रहे थे। टीम इंडिया ने दो विकेट के नुकसान पर 262 रन बना लिए थे।

दरअसल, भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने वेस्टइंडीज की सरजमीं पर कमाल कर दिखाया है। उन्होंने 70वें ओवर में 1 रन लेने के साथ ही शतक पूरा कर लिया। वह अपने डेब्यू मैच में भारत के लिए शतक जड़ने वाले 17वें खिलाड़ी बन गए है। वहीं, उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में ये शतक जड़कर रोहित शर्मा के क्लब में एंट्री मार ली है। बता दें कि रोहित शर्मा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने पहले टेस्ट मैच में 177 रन बनाए थे। ये कमाल रोहित ने साल 2013 में किया था। वहीं, साल 2018 में पृथ्वी शॉ ने राजकोट में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में 134 रन बनाए थे।

रोहित के 3500 रन भी पूरे

भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में दमदार शतक ठोक दिया है। कप्तान रोहित शर्मा ने अपने टेस्ट कॅरियर में 3500 रन भी पूरे कर लिए है। वहीं, बतौर ओपनर उन्होंने अर्धशतक जड़कर खास उपलब्धि भी अपने नाम की। वह साल 2019 से भारतीय क्रिकेट इतिहास में सबसे ज्यादा पचासा जड़ने वाले दूसरे भारतीय बन गए है। ये 102वीं बार रहा जब रोहित ने बतौर ओपनर भारत के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा 50 प्लस रन बनाए। इसके साथ ही भारत के लिए विदेशी सरजमीं पर रोहित शर्मा ने 59वीं बार 50 प्लस स्कोर बनाया। उन्होंने सौरव गांगुली की इस मामले में बराबरी कर ली है।

रोहित-यशस्वी ने रचा इतिहास

कप्तान रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल ने इस दौरान इतिहास रच दिया। रोहित और यशस्वी ने 17 साल बाद वेस्टइंडीज में टेस्ट में शतकीय साझेदारी कर एक खास उपलब्धि हासिल की। ये जोड़ी 17 साल बाद ऐसा करने वाली पहली ओपनिंग जोड़ी बन गई हैं। दूसरे दिन के खेल में यशस्वी जायसवाल ने पहली पारी में ही अपना अर्धशतक ठोक दिया। भारत की 23 टेस्ट पारियों के बाद पहली बार 100 रन की ओपनिंग साझेदारी रोहित शर्मा और यशस्वी जयसवाल की जोड़ी ने की। आखिरी बार ऐसी साझेदारी टेस्ट में केएल राहुल और मयंक अग्रवाल के बीच दिसंबर 2021 में सेंचुरियन में हुई थी।

लगातार दूसरी बार विंबलडन के फाइनल में पहुंची जेब्युर

एजेंसी ▶▶| विंबलडन

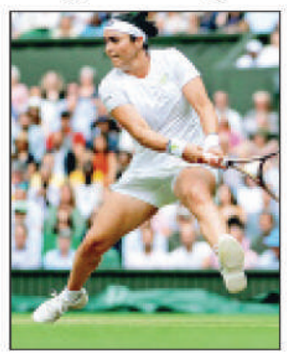

ओन्स जेब्युर ने पहला सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए गुरुवार को यहां एरिना सबालेंका को हराकर लगातार दूसरी बार विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल फाइनल में जगह बनाई। ट्यूनीशिया की जेब्युर ने सेमीफाइनल में सबालेंका को 6-7 (5), 6-4, 6-3 से हराया।

जेब्युर ने पिछले पांच ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में तीन बार फाइनल में जगह बनाई है। गुरुवार को छठी वरीय जेब्युर ने पहला सेट गंवाने के बाद वापसी करते हुए अंतिम 13 गेम में से 10 जीतकर फाइनल में जगह बनाई। सबालेंका की इस साल ग्रैंडस्लैम में यह सिर्फ दूसरी हार है जबकि उन्होंने 17 मैच जीते हैं। फाइनल में जेब्युर की भिड़ंत मार्केटा वोंद्रोसोवा से होगी। वोंद्रोसोवा ने एलिना स्वितोलिना को सीधे सेट में 6-3, 6-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

बोपन्ना और एबडेन बाहर : भारत के रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एबडेन सेमीफाइनल में नीदरलैंड के वेस्ले कूलहोफ और ग्रेट ब्रिटेन के नील स्कूपस्क की शीर्ष वरीय जोड़ी से सीधे सेटों में हारकर विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल से बाहर हो गए। बोपन्ना और एबडेन की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी को एक घंटे 26 मिनट तक चले मैच में 5-7, 4-6 हार का सामना करना पड़ा। बोपन्ना अभी 43 साल के हैं और वह ओपन युग में एकल, युगल और मिश्रित युगल में सबसे उम्रदराज ग्रैंडस्लैम चैंपियन बनने से चूक गए।

कोनकाकाफ कप के फाइनल में पनामा

सेन डिएगो। पनामा ने बुधवार रात पेनल्टी शूट आउट में अमेरिका को 5-4 से हराकर कोनकाकाफ गोल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। निर्धारित और अतिरिक्त समय में मुकाबला 1-1 से बराबर रहने के बाद पनामा ने पेनल्टी शूट आउट में जीत दर्ज की। पनामा को 99वें मिनट में इवान एंडरसन ने बढ़त दिलाई थी लेकिन जीजस फरेरा ने 105वें मिनट में अमेरिका को बराबरी दिला दी। पनामा के गोलकीपर ने क्रिस्टियन रोल्डन का शॉट रोका जिसके बाद एडलबर्टो करासक्विला ने निर्णायक पेनल्टी को गोल में बदलकर टीम को जीत दिलाई। फाइनल में पनामा की भिड़ंत मैक्सिको से होगी।

एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप

भारत ने जीते 3 स्वर्ण

ज्योति, अजय, अब्दुल्ला बने चैंपियन

एजेंसी ▶▶| बैंकॉक

भारत ने एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दूसरे दिन गुरुवार को तीन स्वर्ण पदक जीते जिसमें ज्योति याराजी का महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ और अजय कुमार सरोज काम पुरुषों की 1500 मीटर दौड़ का खिताब भी शामिल है। राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता अब्दुल्ला अबूबकर ने पुरुषों की त्रिकूद में भारत को दिन का तीसरा स्वर्ण पदक दिलाया।

भारतीय खिलाड़ियों ने गुरुवार को प्रभावशाली प्रदर्शन किया तथा दांव पर लगे 10 स्वर्ण पदकों में से तीन स्वर्ण पदक जीते। ऐश्वर्या मिश्रा (53.07 सेकेंड) ने महिलाओं की 400 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीता। तेईस वर्षीय ज्योति ने फाइनल में 13.09 सेकंड का समय लेकर जापान की दो धाविकाओं टेराडा असुका (13.13 सेकेंड) और

आओकी मासुमी (13.26 सेकेंड) को पीछे छोड़ा। ज्योति का राष्ट्रीय रिकॉर्ड 12.82 सेकंड है। पुरुषों की 1500 मीटर दौड़ में सरोज ने बेहतरीन प्रदर्शन किया तथा 3 मिनट 41.51 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक जीता। यह उनका इस प्रतियोगिता में लगातार तीसरा पदक है। उन्होंने 2017 में भुवनेश्वर में स्वर्ण और 2019 में दोहा में रजत पदक जीता था।

अबूबकर ने 16.92 मीटर लगाई छलांग

अबूबकर ने 16.92 मीटर छलांग लगाकर इस सत्र का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। वह जापान के इकेहाता हिकारू (16.73 मीटर) और कोरिया के जंगवू किम (16.59 मीटर) से आगे रहे। इस 27 वर्षीय खिलाड़ी ने फाउल से शुरुआत की और चौथे प्रयास में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके स्वर्ण पदक हासिल किया। अभिषेक पाल ने बुधवार को पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीतकर भारत का पदक का खाता खोला था।

भारत को मिलेगी राजस्व में अधिकतम हिस्सेदारी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने विश्व क्रिकेट की वित्तीय ताकत के रूप में अपनी स्थिति की पुष्टि की क्योंकि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने गुरुवार को डरबन में अपनी बोर्ड बैठक में राजस्व वितरण मॉडल को सर्वसम्मति से पारित कर दिया। आईसीसी ने साथ ही विभिन्न लीग में टीमों के लिए विदेशी क्रिकेटरों की सीमा तय कर दी है जिससे नई प्रतियोगिताओं में हर टीम अपनी एकादश में चार विदेशी खिलाड़ियों को ही खिला पाएंगी। उम्मीद है कि भारतीय बोर्ड अगले चार वर्षों में 60 करोड़ डॉलर में से सालाना 23 करोड़ डॉलर कमाएगा। यह कुल राजस्व लगभग 38.4 प्रतिशत है और इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड से कम से कम छह गुना अधिक है जिसे 6.89 प्रतिशत के हिसाब से चार करोड़ 10 लाख डॉलर और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को तीन करोड़ 75 लाख डॉलर (लगभग 6.25 प्रतिशत) मिलेंगे।

अमेरिकी ओपन : सिंधू और लक्ष्य पहले दौर में जीते, साई प्रणीत हारे

एजेंसी ▶▶| काउंसिल ब्लफ्स

ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन ने यहां अमेरिकी ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट के क्रमशः महिला और पुरुष वर्ग के पहले दौर में जीत दर्ज की। सिंधू ने भारतीय मूल की अमेरिकी खिलाड़ी दीक्षा गुप्ता को महज 27 मिनट में 21-15, 21-12 से पराजित किया तो सेन ने फिनलैंड के काले कोलजोनेन को 30 मिनट के अंदर 21-8, 21-16 से हरा दिया।

पुरुष एकल के एक अन्य मैच में एस एस सुब्रमण्यम ने पहले दौर में आयरलैंड के प्रतिद्वंद्वी नहाट एनगुएन को 44 मिनट में 21-11, 21-16 से शिकस्त दी। बी साई प्रणीत को हालांकि दुनिया के सातवें नंबर के

खिलाड़ी लि शि फेंग से तीन गेम तक चले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। एक घंटे 14 मिनट तक चले मैच में चीन के दूसरे वरीय शि फेंग ने प्रणीत को 16-21, 21-14, 21-19 से हराया।

अंतिल वर्ल्ड रिकॉर्ड के साथ बने विश्व चैंपियन

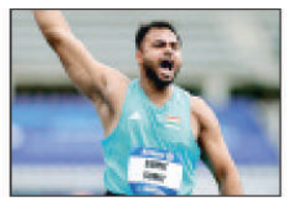

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता सुमित अंतिल ने गुरुवार को पेरिस में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप की एफ64 भाला फेंक स्पर्धा में 70.83 मीटर के प्रयास के साथ विश्व रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता। अंतिल ने 70.17 मीटर के अपने ही रिकॉर्ड में सुधार किया जो उन्होंने पिछले साल मई में इंडियन ओपन राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दौरान बनाया था। वह इसके साथ ही पेरिस 2024 पैरालंपिक के लिए कोटा हासिल करने वाले चौथे भारतीय बने।

विश्व चैंपियनशिप में भारत की अगुवाई करेंगी मीराबाई

एजेंसी ▶▶| ग्रेटर नोएडा

स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू सितंबर में सऊदी अरब के रियाद में होने वाली विश्च भारोत्तोलन चैंपियनशिप में फिर भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगी। दो बार की पदक विजेता चानू (49 किग्रा) के अलावा राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता बिंदियारानी देवी (55 किग्रा) और अचिंता शेयुली (73 किग्रा), शुभम टोडकर (61 किग्रा) और नारायण अजीत (73 किग्रा) भी इस विश्व प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। टोडकर को छोड़कर यही टीम एशियाई खेलों में भाग लेगी।

मई में एशियाई चैंपियनशिप में छठे स्थान पर रहने के बाद यह टोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता चानू की पहली प्रतियोगिता होगी। चानू और बिंदियारानी इस समय पूर्व भारोत्तोलक से फिजियोथेरेपिस्ट और 'स्ट्रेंथ एंव कंडिशनिंग' कोच बने डॉ. आरोन हेर्शिंग के मार्गदर्शन में 65 दिन के शिविर के लिए अमेरिका में हैं। राष्ट्रीय कोच विजय शर्मा भी इस वक्त अमेरिका में हैं, उन्होंने कहा, 'मीरा चोटिल नहीं है,

हम उसके मजबूत पक्षों पर काम कर रहे हैं। वह विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों में हिस्सा लेंगी।' विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों के बीच काफी कम समय का अंतर है। विश्व चैंपियनशिप आमतौर पर साल के अंत में नवंबर और दिसंबर में कराई जाती है, लेकिन इस बार यह चार सितंबर से शुरु हो रही है और एशियाई खेल 20 दिन के अंदर चीन के हांगझोउ में 23 सितंबर से शुरु होंगे।

घर पर व्हीप्ड क्रीम बनाते समय ये टिप्स आएंगे बेहद काम

बेकिंग आइटम्स में अक्सर व्हीप्ड क्रीम का इस्तेमाल किया जाता है। केक से लेकर कपकेक, आइसक्रीम और कोल्ड कॉफी आदि में व्हीप्ड क्रीम टेस्ट को कई गुना बढ़ाती है। अमूमन लोग मार्केट से ही व्हीप्ड क्रीम लेकर आते हैं। हालांकि, मार्केट में मिलने वाली व्हीप्ड क्रीम काफी महंगी होती है। ऐसे में घर पर ही व्हीप्ड क्रीम बनाना अच्छा विचार हो सकता है। घर पर परफेक्ट तरीके से व्हीप्ड क्रीम बनाने के लिए आपको कुछ छोटे-छोटे टिप्स का ध्यान रखना चाहिए। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही कुछ टिप्स के बारे में बता रहे हैं- जब आप व्हीप्ड क्रीम बना रहे हैं तो यह अवश्य सुनिश्चित करें कि आप जिस मिक्सिंग बाउल और बीटर या व्हिस्क का इस्तेमाल कर रहे हैं वह पूरी तरह से ठंडा हो। इससे ना केवल व्हीप्ड क्रीम जल्दी बनती है, बल्कि इससे क्रीम की शेप को होल्ड रखने में भी मदद मिलती है। बेहतर होगा कि आप क्रीम बनाने से पहले कटोरे और बीटर को कुछ मिनट के लिए फ्रीजर में भी रख दें। जब आप व्हीप्ड क्रीम बना रहे हैं तो सिर्फ इक्विपमेंट ही नहीं, बल्कि क्रीम भी ठंडी होनी चाहिए। आप इसे उपयोग करने से पहले क्रीम को कई घंटों तक फ्रिज में रखें। ध्यान रखें कि तेजी से व्हीप्ड होकर तैयार होती है। जब आप व्हीप्ड क्रीम बनाएं तो एकदम से उसे तेजी से ना फेंटें। हमेशा आप क्रीम को धीमी या मध्यम गति पर फेंटना शुरू करें। जब तक थोड़ा गाढ़ा होने लगे, तो फिर धीरे-धीरे स्पीड बढ़ाकर तेज करें। धीमी स्पीड से शुरू करने से छींटों से बचने में मदद मिलती है और अधिक स्थिर फोम बनता है। व्हीप्ड क्रीम बनाते समय आप क्रीम के थोड़ा गाढ़ा होने के बाद ही उसमें स्वीटनर या फ्लेवर एड करें। अमूमन व्हीप्ड क्रीम बनाते समय उसमें पाउडर शुगर या दानेदार चीनी आम को मिक्स किया जाता है। इसके अलावा, अगर आप चाहें तो वेनिला एक्सट्रैक्ट का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

चलो चांद पर चले...

चंद्रयान-3 हैप्पी जर्नी...

14 जुलाई 2023 की दोपहर 2.35 बजे चंद्रयान-3 चंद्रमा की ओर उड़ान भरेगा। करीब 45 से 50 दिन की यात्रा के बाद चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास इसकी लैंडिंग होगी। चंद्रयान-3 को चंद्रमा पर भेजने के लिए एलवीएम-3 लॉन्चर का इस्तेमाल किया जा रहा है। लॉन्चिंग श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन स्पेस सेंटर के लॉन्च पैड 2 से होगी। जानें चंद्रयान-3 मिशन के बारे में सबकुछ इस विशेष पेशकश में...

मिशन की लागत

960 करोड़ रुपए कुल

610 करोड़

360 करोड़ लॉन्च रॉकेट

250 करोड़ लॉन्च रोवर

चंद्रयान 2 — चंद्रयान 3

1000 से भी कम सेकंड पृथ्वी की कक्षा में होगा चंद्रयान-3

179 किमी ऊपर लॉन्च व्हीकल से अलग होगा

41 दिन में चांद पर पहुंचेगा हमारा चंद्रयान

5 दीर्घ वृत्ताकार चक्कर लगाएगा चंद्रयान चांद के पृथ्वी के बाद

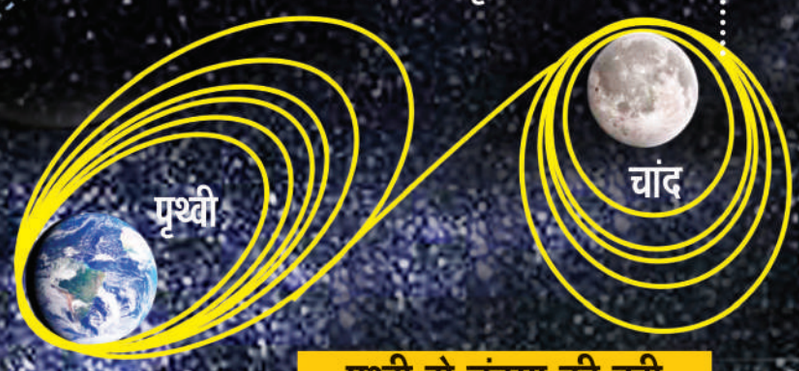

- सॉफ्ट लैंडिंग में अब तक रूस, अमेरिका और चीन को ही मिली है सफलता
- चंद्रयान-2 की तुलना में संरचनात्मक रूप से कठोर और अच्छी तरह से सुसज्जित
- 2019 में दुर्घटनाग्रस्त यान के पिछले संस्करण के विपरीत, इसमें अब कोई ऑर्बिटर नहीं है

43.5 मीटर ऊंचाई | **6.4** वजन लाख किलोग्राम

पृथ्वी से चंद्रमा की दूरी

2,39,000 मील

3,84,000 किलोमीटर

श्री हरिकोटा से भरेगा उड़ान

रोवर प्रज्ञान। यह चांद पर करेगा खोज

इस बार **10** चरणों में पहुंचेगा चंद्रमा की सतह तक

पहला चरण
यानी धरती पर होने वाले काम। इसमें तीन स्टेज आते हैं। पहला- लॉन्च से पहले का स्टेज। दूसरा- लॉन्च और रॉकेट को अंतरिक्ष तक ले जाना और तीसरा- धरती की अलग-अलग कक्षाओं में चंद्रयान-3 को आगे बढ़ाना। इस दौरान चंद्रयान-3 करीब छह चक्कर धरती के चारों तरफ लगाएगा। फिर वह दूसरे फेज की तरफ बढ़ जाएगा।

दूसरा चरण
लूनर ट्रांसफर फेज यानी चंद्रमा की तरफ भेजने का काम। इस फेज में ट्रैजेक्टरी का ट्रांसफर किया जाता है। यानी स्पेसक्रॉफ्ट लंबे से सोलर ऑर्बिट से होते हुए चंद्रमा की ओर बढ़ने लगता है।

तीसरा चरण
लूनर ऑर्बिट इंसर्सन फेज। यानी चांद की कक्षा में चंद्रयान-3 को भेजा जाएगा।

चौथा चरण
इसमें सात से आठ बार ऑर्बिट मैन्यूवर करके चंद्रयान-3 चंद्रमा की सतह से 100 किमी ऊंची कक्षा में चक्कर लगाना शुरू कर देगा।

पांचवां चरण
इसमें प्रोपल्शन मॉड्यूल और लूनर मॉड्यूल एक-दूसरे से अलग होंगे।

छठा चरण
डी-बूस्ट फेज यानी जिस दिशा में जा रहे हैं, उसमें गति को कम करना।

सातवां चरण
प्री-लैंडिंग फेज यानी लैंडिंग से ठीक पहले की स्थिति। लैंडिंग की तैयारी शुरू की जाएगी।

आठवां चरण
इसमें लैंडिंग कराई जाएगी।

नौवां चरण
लैंडर और रोवर चंद्रमा की सतह पर पहुंच कर सामान्य हो रहे होंगे।

दसवां चरण
प्रोपल्शन मॉड्यूल का चंद्रमा की 100 किलोमीटर की कक्षा में वापस पहुंचना।

चाइनीज ऐप से लोन लेने वाले छात्र ने की आत्महत्या

बेंगलुरु, (एजेंसी)। चाइनीज लोन एप के एजेंट से परेशान होकर 22 साल के स्टूडेंट ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। मृतक की पहचान तेजस के रूप में हुई है, जो बेंगलुरु के जलाहल्ली में रहता था। वह येलहंका के निट्टे मीनाक्षी कॉलेज में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा था। परिजनों ने बताया कि तेजस ने स्लाइस एंड किस्त नाम के ऐप से लोन लिया था, वह पैसा लौटा नहीं पा रहा था। परिजनों ने आरोप लगाया कि एजेंट घर पर आकर तेजस को धमका रहे थे। एजेंटस तेजस को उसकी तस्वीरें वायरल करने की धमकी दे रहे थे।

एक से ज्यादा शादी पर लगेगी रोक

असम के सीएम बोले- इसे तुरंत बैन करना चाहता हूं, अगले सत्र में विधेयक लाएंगे

गुवाहाटी, आरएनएन। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने गुरुवार को कहा- राज्य सरकार बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने की योजना बना रही है। अगले विधानसभा सत्र में इससे जुड़ा विधेयक पेश किया जाएगा। हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि हम राज्य में बहुविवाह पर तुरंत बैन लगाना चाहते हैं। सितंबर में होने वाले विधानसभा सत्र में इसे बैन करने का विधेयक पेश करेंगे। अगर किसी वजह से इस सत्र में बिल नहीं ला पाए तो इसे जनवरी में सदन में पेश किया जाएगा। ये बातें उन्होंने गुवाहाटी में मीडिया से बात करते हुए कहीं। असम के सीएम का यह बयान ऐसे समय में आया है जब देश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर बहस चल रही है। इस दौरान उन्होंने यूसीसी का भी करने समर्थन करने की बात कही। सीएम बोले कि लॉ कमीशन ने इसके लिए लोगों से सुझाव मांगे हैं, संसद में इसे लागू करने के बारे में फैसला लिया जाएगा। राज्यों का भी इसमें योगदान होगा। अगर यूसीसी आ गया तो यह हमें कार्रवाई करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने वाला कानून ष्ट्र में विलय हो जाएगा। इस दौरान मीडिया ने सरमा से यूसीसी पर कांग्रेस के रुख पर सवाल किया। जवाब में असम के मुख्यमंत्री ने कहा- क्या कोई कांग्रेस का नेता अपनी बेटी ऐसे पुरुष को देगा जिसकी पहले से ही 2 पत्नियां हों?

भाजपा कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज, एक की मौत

बिहार का मामला

पटना (एजेंसी)। बिहार में शिक्षक भर्ती, नौकरी का वादा, भ्रष्टाचार और बिगड़ती कानून - व्यवस्था के मुद्दे को लेकर विधानसभा मार्च कर रहे भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया, जिसमें सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल समेत कई लोग घायल हो गए और एक कार्यकर्ता की मौत की भी सूचना है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी के नेतृत्व में भाजपा के सांसद, विधायक और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता गांधी मैदान से विधानसभा के लिए मार्च करते हुए निकले लेकिन पुलिस ने उन्हें डाकबंगला चौराहे पर आगे बढ़ने से रोक दिया। इसके बाद भाजपा के कार्यकर्ता आगे बढ़ने की कोशिश करने लगे तब पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए पानी का बौछार किया और आंसू गैस के गोले भी छोड़े।

आतंकवादी पहचान छिपाने, कट्टरपंथी सामग्री फैलाने के लिए कर रहे डार्क-नेट का उपयोग

जी-20 सम्मेलन में अमित शाह बोले

गुरुग्राम (आरएनएन)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को यहां दो दिवसीय जी-20 सम्मेलन में आतंकवादियों द्वारा अपनी पहचान छिपाने और कट्टरपंथी सामग्री फैलाने के लिए डार्क नेट का इस्तेमाल करने और पैटर्न को समझकर समाधान खोजने पर चिंता जताई।

गृहमंत्री ने इन गतिविधियों के चलते साइबर हमले के खतरे की भी चेतावनी दी, उन्होंने कहा कि यह दुनिया की सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं पर मंडरा रहा है और दुनिया के कई देश इसके शिकार बन गए हैं। एक 'मजबूत और कुशल परिचालन प्रणाली' बनाने के लिए, शाह ने कहा कि आतंकवादी अपनी पहचान छिपाने और कट्टरपंथी सामग्री फैलाने के लिए डार्क नेट का उपयोग कर रहे हैं, और हमें डार्क नेट पर चल रही इन गतिविधियों के पैटर्न को समझना होगा और समाधान ढूंढना होगा। वही गृह मंत्री ने विभिन्न आभासी संपत्तियों के उपयोग पर रोक लगाने के लिए सुसंगत रूप से सोचने की आवश्यकता भी बताई। अपूरणीय टोकन (एनएफटी), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एएल) और मेटावर्स के युग में अपराध और सुरक्षा पर जी20 सम्मेलन में बोलते हुए, शाह ने आगे कहा कि मेटावर्स, जो एक समय एक विज्ञान कथा विचार था, अब वास्तविकता में कदम रख चुका है।

आज का इतिहास

- **1636:** मुगल बादशाह शाहजहां ने औरंगजेब को दक्कन का वायसराय नियुक्त किया।
- **1789:** पेरिस में बैस्टिल जेल पर हमले के साथ ही फ्रांसीसी क्रांति की शुरुआत हुई।
- **1850:** मशीन द्वारा जमाई गई बर्फ का पहला सार्वजनिक प्रदर्शन।
- **1861:** कॉट लिंग नामक अमरीकी व्यक्ति ने अतीत के अविष्कारों के अनुभवों और अनुसंधानों के आधार पर हथियार के रूप में मशीनगन बनाई।
- **1914:** पहले तरल ईंधन आधारित रॉकेट की डिजाइन का पेटेंट रॉबर्ट एच गोगार्ड ने हासिल किया।
- **1927:** हवाई द्वीप में विमान की पहली व्यावसायिक उड़ान शुरू।
- **1940:** द्वितीय विश्वयुद्ध में जर्मनी के बमवर्षक विमानों ने स्वेज पर बमबारी की।
- **1951:** सीबीएस चैनल पर घुड़दौड़ के रूप में किसी खेल कार्यक्रम का पहली बार रंगीन प्रसारण।

द ट्रायल- प्यार कानून धोखा में काम कर रोमांचित है काजोल

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल अपनी आने वाली फिल्म द ट्रायल- प्यार कानून धोखा में काम कर रोमांचित है। सुपर्ण एस वर्मा निर्देशित कोर्ट-रूम ड्रामा सीरीज द ट्रायल- प्यार कानून धोखा में काजोल की मुख्य भूमिका है। इस फिल्म में काजोल वकील नोयोनिका सेनगुप्ता की भूमिका में हैं। काजोल के अलावा इस फिल्म में शीबा चड्ढा, जिशु सेनगुप्ता, एली खान, कुब्रा सैत और गौरव पांडे भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। इस सीरीज की कहानी नोयोनिका सेनगुप्ता नामक किरदार पर केंद्रित है, जो एक घोटाले में अपने पति के जेल जाने के बाद एक वकील के तौर पर पेशेवर दुनिया में कदम रखती है। वह दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ती है। काजोल द ट्रायल- प्यार, कानून, धोखा में काम कर रोमांचित है। काजोल ने बताया जब मैंने द ट्रायल- प्यार कानून धोखा की स्क्रिप्ट सुनी, तब पाया कि यह बहुत अच्छी तरह से लिखा गया है। यहां तक कि लॉयर बनने का तरीका, उसे क्या और कैसे बोलना है, यह सब लिखा गया था।

Filmiगड़का

माइनस 31 - द नागपुर फाइल्स का ट्रेलर रिलीज

मुंबई, (एजेंसी)। निर्देशक प्रतीक मोइत्रो की फिल्म माइनस 31 - द नागपुर फाइल्स का ट्रेलर रिलीज हो गया है। कोरोना महामारी के समय मर्डर मिस्ट्री पर आधारित निर्देशक प्रतीक मोइत्रो की फिल्म माइनस 31 - द नागपुर फाइल्स का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इस फिल्म में रुचा इनामदार, निशा धर, रघुबीर यादव, राजेश शर्मा, जया भट्टाचार्य, कामभारी, संतोष जुवेकर, शिवांकित परिहार और देबाशीष नाहा अहम भूमिकाओं में नज़र आएंगे। प्रतीक मोइत्रो निर्देशित, चारुलता मोइत्रो द्वारा लिखित ऑरिजपिक्सल स्टूडियो द्वारा निर्मित, करण विशाल कोंडे, निशिता केनी और दर्शनी एंटरटेनमेंट द्वारा सह-निर्मित, ड्रैगन वॉटर फिल्म्स द्वारा वितरित, माइनस 31-द नागपुर फाइल्स 21 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। नागपुर के आम बोलचाल की भाषा में 'चल माइनस हो जा' का ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है जिसका मतलब होता है निकल जा। क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) के गाड़ियों का कोड नंबर एमएच 13 नागपुर का है। इन दोनों को मिलाकर एक नई फिल्म का नाम 'माइनस 31- द नागपुर फाइल्स' रखा गया है। मर्डर मिस्ट्री पर आधारित इस फिल्म की कहानी नागपुर की एक घटना के इर्द -गिर्द घूमती है। मुंबई में हुए फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के दौरान अभिनेता रघुबीर यादव अपनी मां को याद कर भावुक हो गए।

समद राही के बाल कविता संग्रह 'परीलोक की रानी' का लोकार्पण

जयपुर, (ब्यूरो)। प्रतिष्ठित कवि-व्यंग्यकार फारूक आफरीदी ने कहा है कि बच्चों में अच्छे संस्कारों के बीजारोपण के लिए उन्हें प्रारंभ से ही सद् साहित्य पढ़ने के अवसर दिए जाएं। कहानी, कविता, संस्मरण और अन्य साहित्यिक विधाएं उन्हें नैतिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध करने में महती भूमिका निभाती हैं। आफरीदी पंडित जवाहरलाल नेहरू बाल साहित्य अकादमी जयपुर के सभागार में ख्यातनाम शायर और बाल साहित्य लेखक अब्दुल समद राही के बाल कविता संग्रह 'परीलोक की रानी' का लोकार्पण कर रहे थे। नेहरू बाल साहित्य अकादमी ने इसका प्रकाशन किया है। अकादमी के अध्यक्ष इकराम राजस्थानी ने कहा कि समद राही देश के जाने-माने बाल साहित्यकार हैं जिन्होंने हिंदी, राजस्थानी और उर्दू में विविध विधाओं में साहित्य सृजन किया है और बाल मनोविज्ञान की उन्हें गहरी समझ और पकड़ है। संग्रह में सम्मिलित 22 कविताएं बच्चों का हौंसला बढ़ाने की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं।

मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी गिरफ्तार, बुलेटप्रूफ में लगी गोली

पुलिस मुठभेड़ के दौरान बदमाश के पैर में लगी गोली, महाराष्ट्र का साथी फरार, भदोही और दूसरे जनपदों में तीन दर्जन से अधिक दर्ज है मुकदमा

प्रखर भदोही। उत्तर प्रदेश के जनपद भदोही की पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। रंगदारी और लूट के आरोपित एवं 25 हजार के ईनामी बदमाश को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। इस दौरान एक उपनिरीक्षक के बुलेट प्रूफ में गोली भी लगी है। पुलिस ने मुठभेड़ स्थल से एक बाइक, पिस्टल के साथ जिंदा कारतूस भी बरामद किया है।

भदोही अपर पुलिस अधीक्षक राजेश भारती के अनुसार गुरुवार की देर रात्रि में थाना भदोही एवं स्वाट की संयुक्त पुलिस टीम ने चौरी के भकौड़ा रोड से रामरायपुर जाने वाले मार्ग पर चेकिंग के लिए रोका लेकिन वह नहीं रुका। जिसके बाद पुलिस ने पीछा किया तो पुलिस एवं आरोपित बदमाश में मुठभेड़ हो गयीं। इस दौरान बदमाश आजम अली पुत्र शौकत निवासी छेड़ीवीर थाना व जनपद भदोही को को पैर में गोली लग गयीं, जिसके बाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। कब्जे से एक अदद पिस्टल एवं कुल 18 जिंदा कारतूस, 06 अदद खोखा भी बरामद किया है। इसमें प्रतिबंधित कारतूस भी शामिल है। मोटरसाइकिल व लूट के अभियोग से संबंधित कागजात, नगदी भी बरामद किया गया है। इस दौरान मौके का फायदा उठाकर उसका महाराष्ट्र का साथी भागने में सफल रहा है। गिरफ्तारशुदा ईनामी भदोही कोतवाली का टॉप टेन हिस्ट्रीशीटर है। जिसके विरुद्ध हत्या, लूट, छिनैती, अपहरण, गैंगस्टर, गुंडा व आयुध अधिनियम के तहत गंभीर अपराधों के लगभग तीन दर्जन अभियोग पंजीकृत हैं। इस संबंध में एवं 15 नवंबर 2022 को आरोपित के खिलाफ पुलिस को एक पीड़ित ने मुकदमा दर्ज कराया था। आरोपी बदमाश की तरफ से पिस्टल से धमकाकर 50000 की रंगदारी रंगदारी मांगने का मामला आया था। इसकी गंभीरता को देखते हुए भदोही कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया था। 20000 की दूसरी लूट की घटना में भी यह वांछित आरोपी था। अपर पुलिस महानिदेशक वाराणसी एवं उपमहानिरीक्षक विंध्याचल परिक्षेत्र मिजार्पुर के निर्देश पर विशेष अभियान चलाकर जनपद के पुरस्कार घोषित अभियुक्तों की गिरफ्तारी की जा रहीं है। पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार अभियुक्त के दायें पैर में गोली लगी है, जिसे ईलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। बदमाश को गिरफ्तार करने वाली टीम को भदोही पुलिस अधीक्षक की तरह से 25000 और विंध्याचल रेंज के उपमहानिरीक्षक की तरफ से इतनी राशि के पुरस्कार की घोषणा की गई है।

जौनपुर में घर से भागे प्रेमिका और कथित प्रेमी की संदिग्ध परिस्थितियों में रेलवे ट्रैक से टकराकर एक की मौत, एक गंभीर

प्रखर जौनपुर। जफराबाद- सुल्तानपुर रेल प्रखण्ड पर बछुआर रेलवे फाटक से दो सौ मीटर दूर आज शुक्रवार की सुबह करीब छह बजे मालगाड़ी की चपेट में आने से एक युवती की मौत हो गई और एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों प्रेमी प्रेमिका बताए जा रहे है। ग्राम बछुआर में स्थित रेलवे फाटक से दो सौ मीटर दूर रेलवे पटरी पर 20 वर्षीय रागिनी गौतम पुत्री अमरजीत गौतम निवासी पीथापुर थाना देवसरा जिला प्रतापगढ़ की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं 22 वर्षीय डेविड गौतम निवासी बरौली बदलापुर थाना बदलापुर जौनपुर गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना की सूचना गेटमैन अभिषेक सिंह ने हरपालगंज रेलवे स्टेशन अधीक्षक को दी तब स्टेशन अधीक्षक ने उक्त जानकारी स्थानीय पुलिस और आरपीएफ को सूचित किया और मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी। घायल का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। थाना प्रभारी कमलेश कन्नौजिया ने बताया कि स्थिति देखकर यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि दोनों प्रेमी प्रेमिका हैं। हालांकि अभी परिजनों की तरफ से कोई विशेष जानकारी नहीं दी गई है। दोनों के परिवार वालों को सूचना कर दी गई है।

संक्षिप्त खबरें

एसपी ने ली परेड की सलामी, पुलिसकर्मियों को कराया हथियारों को खोलने व जोड़ने का अभ्यास

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस लाइन गाजीपुर में पुलिस अधीक्षक ओमबीर सिंह द्वारा परेड की सलामी ली गई। इसके बाद परेड का निरीक्षण भी किया। एसपी ने विभिन्न थानों से आई हुई पुलिस की गाड़ियों का निरीक्षण कर उनमें रखे हुए सुरक्षा संबंधी उपकरणों को देखा। संबंधितों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही डायल 112 की गाड़ियों का निरीक्षण कर गाड़ियों का रिस्पांस टाइम जाना। पुलिस अधीक्षक ने पुलिस कर्मियों को निर्देश दिया कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए खुद को हमेशा तैयार रखें। पुलिस लाइन के मैदान में पुलिस अधीक्षक ने फिजिकल फिटनेस के तहत मातहतो के साथ दौड़ भी लगाई साथ ही हथियारों के प्रयोग की जानकारी एवं प्रशिक्षण भी दिया। इस दौरान मौजूद पुलिस कर्मियों ने हथियारों को प्रयोग में लाने का अभ्यास भी किया। पुलिसकर्मियों को आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए पूर्वाभ्यास भी कराया गया। विभिन्न थानों से आया हुआ पुलिस बल इस कार्यक्रम में शामिल रहा। पुलिस अधीक्षक द्वारा विभिन्न हथियारों के प्रयोग और उसके इस्तेमाल करते समय रखे जाने वाली सावधानियां बताई गई। परेड के दौरान सभी जवानों को बाधा दौड़, बीम, रस्सी चढ़ाई, मंकी रोप एवं हथियारों को खोलने तथा जोड़ने का प्रशिक्षण दिया गया।

प्रदेश सचिव बनने पर पार्टी कार्यकर्ताओं में 'हर्ष'

प्रखर आजमगढ़। गुरुवार को सपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजपाल कश्यप द्वारा आजमगढ़ के पूर्व बार काउंसिल अध्यक्ष एडवोकेट अनिल वर्मा को पुनः प्रदेश सचिव (पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ) पद पर नियुक्त कर दिया गया है। नियुक्ति पत्र आने के बाद सोशल मीडिया से लेकर समाज के लोगों में खुशी का माहौल देखने को मिला। इस बाबत गुरुवार को लखनऊ में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की स्वीकृति से समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ की १४७ सदस्यीय प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा कर दी गई है। सपा के प्रदेश अध्यक्ष डा0 राजपाल कश्यप की राज्य कार्यकारिणी में ९ उपाध्यक्ष, ४ प्रदेश महासचिव और इनके अलावा २५ विशेष आमंत्रित सदस्य, १०८ प्रदेश सचिव तथा २५ कार्यकारिणी सदस्य भी नामित किए गये है।

95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल एवं सृजन सामाजिक विकास न्यास के संयुक्त तत्वधान में किया गया वृहद पौधरोपण

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। गंगा ग्राम रमना में वृहद पौधरोपण के साथ-साथ पौधों को वितरित भी किया गया` गंगा हरीतिमा अभियान के ब्रांड एंबेसडर सृजन सामाजिक विकास न्यास के अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह के मिशन एक करोड़ पौधरोपण के तहत अनिल कुमार वृक्ष कमांडेंट 95 बटालियन की नेतृत्व में सरस्वती विद्यालय जूनियर हाई स्कूल रमना के कैम्पस में बृहद रूप से पौधरोपण किया गया तथा विधार्थियों एवं ग्राम वासियों को पौधें भी वितरित किये गये एवं स्वच्छता अभियान चलाया गया तथा जन जागरुकता रैली भी निकाली गयी` इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दिलीप पटेल क्षेत्रीय अध्यक्ष भाजपा थे तथा विशिष्ट अतिथि अनिल कुमार बृक्ष कमांडेंट 95 बटालियन एवं सुरेश सिंह भाजपा के उपाध्यक्ष काशी थे` मुख्य अतिथि महोदय ने सभी जवानों ऑफिसररो, शिक्षकों, विधार्थियों से

प्रकृति को हरा-भरा बनाए रखने के लिए वार्षिक शुभ अवसरों पर एक एक पौधे लगाने की अपील की एवं विशिष्ट अतिथियों ने प्रदूषणमुक्त बनाए रखने के लिए अपने जन्मदिन शादी के सालगिरह एवं अन्य शुभ अवसरों पर कम से कम एक वृक्ष लगाने के लिए अपील की` सरस्वती विद्यालय जूनियर हाई स्कूल रमना कैंपस में पौधरोपण तथा विद्यार्थियों एवं ग्राम वासियों को एक एक पौधे भी दिये गये आज के कार्यक्रम में लगभग 1000 पौधे लगाए गये और वितरित किये गये एवं उसे संरक्षित करने के लिए अनिल कुमार सिंह ब्रांड अम्बेसडर पर्यावरण विभाग उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सपथ भी दिलाई गयी।

कार्यक्रम में 95 बटालियन के उमाकांत ओझा उप कमांडेंट, एवं प्रवीण सिंह के साथ 95 बटालियन की पूरी टीम व मुकुंद जायसवाल, सौरभ सिंह पटेल, अमित पटेल रमना ग्राम प्रधान, सरस्वती विद्यालय जूनियर हाई स्कूल के प्रबंधक, प्रधानाचार्य, अध्यापकों एवं बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

लोक अदालत 9 सितंबर को, जिला जज ने प्रचार वाहन को किया रवाना

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ से प्राप्त निर्देश के अनुसार आगामी 9 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन प्रस्तावित है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रभारी सचिव स्वप्न आनंद ने बताया कि प्रस्तावित राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जनपद न्यायालय गाजीपुर, वाह्य न्यायलय सैदपुर एवं मोहम्मदाबाद व ग्राम न्यायालय जखनिया के साथ-साथ अन्य सरकारी प्रतिष्ठानों में किया जाएगा। यह बताया की राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा निर्देशित प्रकरण जैसे उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, छोटे व लघु दाडिकवाद, पारिवारिक बाद, एनआई एक्ट, स्टांप वाद, मोटर अधिनियम वाद, चकबंदीवाद, श्रम

वाद,उपभोक्ता फोरम वाद , वाट माप प्रचलन अधिनियम वाद, कराधान प्रकरण, विद्युत चोरी के वाद, सुलह समझौता एवं मध्यक्षता के माध्यम से वैवाहिक विवाद को परिपक्व कराकर कर आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में पूर्व की तुलना में ज्यादा से ज्यादा वादों का निस्तारण कर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाना है। राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन की जानकारी जन जन तक पहुंचाने हेतु प्रचार प्रसार के लिए राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रचार वाहन को जनपद न्यायाधीश द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया इस अवसर पर समस्त न्यायिक अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

शिक्षकों, विद्यार्थियों के प्रेरणा स्रोत हैं रज्जू भैयाः डॉ. प्रमोद यादव

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान में प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) की पुण्यतिथि पर शुक्रवार को पुष्पांजलि का कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि रज्जू भैया एक आदर्श व्यक्तित्व के धनी थे। उनका चिंतन हमेशा समाज के हित के लिए होता था। रज्जू भैया इलाहाबाद विश्वविद्यालय में भौतिक विज्ञान के प्राध्यापक और विभागाध्यक्ष रहे। रज्जू भैया की भौतिकी विज्ञान के क्षेत्र में प्रतिभा अभूतपूर्व थी, जिसके कारण देश के कई प्रसिद्ध वैज्ञानिकों ने उन्हें अपने साथ काम करने के लिए आमंत्रित किया, किंतु सामाजिक जीवन में रुचि होने के कारण रज्जू भैया ने सामाजिक कार्यों को चुना, तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े। डॉ यादव ने कहा कि विद्यार्थियों को उनके जीवन से प्रेरणा लेते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। इस अवसर प्रो. देवराज सिंह, प्रो. मिथिलेश सिंह, डॉ गिरिधर मिश्रा, डॉ प्रमोद कुमार, डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. अजीत सिंह, डा आलोक वर्मा, डॉ. पुनीत कुमार धवन, डॉ. दिनेश वर्मा, डॉ. आशीष वर्मा , डॉ. सुजीत चौरसिया, डॉ सौरभ कुमार सिंह, डा संदीप वर्मा, डा धीरेन्द्र चौधरी, डा काजल कुमार डे व अन्य शिक्षक, शोधार्थी तथा बड़ी संख्या में छात्र छात्रा उपस्थित रहे।

पुलिस पर पर फायरिंग करने वाला शातिर अपराधी तमंचा व कारतूस के साथ गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी सैदपुर के कुशल निर्देशन में थानाध्यक्ष सादात गाजीपुर के नेतृत्व में मय टीम सादात द्वारा पुलिस पार्टी पर फायरिंग करने वाले शातिर अपराधी तथा कई थानो में गैंगस्टर सहित कई मुकदमे में वांछित अपराधी गौ तस्कर कमलेश उर्फ छांगुर पुत्र उमराव यादव निवासी ग्राम बड़ागांव थाना सादात गाजीपुर को शुक्रवार को पेट्रोल पम्प स्पीड ब्रेकर के पास बहद ग्राम बड़ागांव थाना सादात गाजीपुर से समय लगभग 1बजे गिरफ्तार कर स्थानीय थाना पर आर्म्स एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में शैलेश कुमार मिश्र थानाध्यक्ष सादात, उप निरीक्षक सुरेन्द्र कुमार सादात, कांस्टेबल वैभव यादव थाना सादात, कांस्टेबल अविनाश थाना सादात, जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

पवन बने मॉनिटरिंग कमेटी पिंडरा के सदस्य

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा तहसील क्षेत्र के जनकपट्टी निवासी व किसान पवन सिंह को पिंडरा तहसील मॉनिटरिंग कमेटी में सदस्य नामित किया गया। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा कृषकों को मिलने वाली सहायता राशि के अनुश्रवण व क्रियान्वयन के लिए एग्री स्टैक योजना के तहत मुख्य सचिव की अध्यक्षता में बनी मॉनिटरिंग कमेटी पिंडरा का गठन किया गया। जिसमें पदेन एसडीएम पिंडरा को अध्यक्ष व अन्य 5 विभागों के अधिकारियों को पदेन सदस्य तथा क्षेत्र के किसान तथा एफपीओ से जुड़े पवन सिंह को किसानों का पक्ष रखने के लिए मॉनिटरिंग कमेटी में सदस्य नामित किया गया।

जौनपुर सिटी स्टेशन पर यात्रियों की सुविधाओं का है टोटा, साफ-सफाई पानी की नहीं है कोई खास व्यवस्था

प्रखर जौनपुर। जफराबाद में रेलवे ट्रैक ब्लॉक होने की वजह से सिटी स्टेशन पर खड़ी रहती है कई ट्रेन ,भीषण गर्मी में सिटी स्टेशन पर नहीं है पानी की कोई खास व्यवस्था ऐसे में यात्री है परेशान। इंदौर से चल कर कामाख्या जाने वाली 19305 कामाख्या एक्सप्रेस जौनपुर सिटी पर अपने निर्धारित समय 9:11 के बजाय आज 10:40 पहुंची। जफराबाद रेल प्रखंड ब्लॉक होने के कारण ट्रेन खड़ी हो जाने से श्रद्धालु और यात्री परेशान दिखे। जफराबाद रेल पटरी पर कार्य के कारण ब्लॉक की वजह से ट्रेनो को जौनपुर सिटी पर रोक दिए जाने पर यात्री हलकान व परेशान है। वही सिटी स्टेशन पर पीने की पानी की व्यवस्था सही ना होने की वजह से काफी यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, यहां बने मिनरल वाटर के नल बंद हो जाने से काफी यात्रियों को पानी के लिए यहां-वहां दौड़ना पड़ रहा है ,और बाहर की दुकानों पर जाकर महंगे दामों पर पानी को खरीदना पड़ रहा है ,वहीं प्लेटफार्म पर लगे नलों में पानी नहीं आने की वजह से यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है ,आरपीएफ जीआरपी

की पुलिस चौकी के बगल में लगा हैंडपंप भी खराब पड़ा हुआ हैं। वही स्टेशन के प्लेटफार्म पर लगे पंखे भी बंद पड़े हुए हैं। यही नहीं जौनपुर सिटी स्टेशन पर रात में प्लेटफार्म पर लगी हुई कई लाइट भी बंद पड़ी हुई है, प्लेटफार्म नंबर 2 व 3 पर अंधेरा रहने की वजह से यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वहीं प्लेटफार्म पर बने शौचालयों में पानी ना होने की वजह से उधर से गुजरना यात्रियों के लिए मुसीबत का सबब बनता है, शौचालय में सफाई ना होने की वजह से उसमें से बदबू आती रहती है। इस बाबत जब स्टेशन अधीक्षक बीके सिंह से पूछा गया तो उन्होंने गोलमोल जवाब देते हुए बताया कि उच्च अधिकारियों को प्लेटफार्म की समस्या से अवगत कराया गया है जल्द ही इसका निराकरण होगा।

पिंडरा की नई एसडीएम ने संभाला कार्यभार, दिए निर्देश

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा एसडीएम रही अंशिका दीक्षित के अयोध्या स्थानांतरित होने के बाद शुक्रवार को नई एसडीएम प्रतिभा मिश्रा ने कार्यभार ग्रहण किया। नई एसडीएम ने कार्यभार ग्रहण करने के बाद तहसील के विभिन्न पटलों का निरीक्षण कर कर्मचारियों को सुचितापूर्ण ढंग से समयबद्ध तरीके से कार्य करने की नसीहत दी। इसके बाद तहसील के अधिकारियों के साथ बैठक कर शासन के प्राथमिकता वाले कार्यो को पूर्ण हो, ग्रामीणों की समस्या को प्राथमिकता के आधार पर त्वरित कार्यवाही पर जोर दिया। यही नही उन्होंने कहाकि जनप्रतिनिधियों के सम्मान देने के साथ उनका सहयोग ले। राजस्व निरीक्षकों को ईमानदारी बरतने की नसीहत दी। इस दौरान तहसीलदार विकास पांडेय, नायब तहसीलदार राधेश्याम यादव, श्वेता सिंह पटेल, प्रदीप मौर्य, सुरेंद्र मौर्य, जगदीश नारायण, लालमणि समेत अनेक राजस्व निरीक्षक व कर्मचारी रहे।

भाजपा माले का एक दिवसीय धरना संपन्न, दिया 14 सूत्रीय मांग पत्र

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सेवराई तहसील मुख्यालय पर शुक्रवार को भाकपा माले, अखिल भारतीय खेत एवं ग्रामीण मजदूर सभा, अखिल भारतीय किसान महासभा के तत्वावधान में करवनिया डेरा भाकपा माले कार्यालय से भदौरा बाजार मार्च होते हुए उपजिलाधिकारी सेवराई कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना एवं सभा के माध्यम से 14 सूत्रीय मांग पत्र दिया गया। धरने पर सभा को संबोधित करते हुए भाकपा माले केन्द्रीय कमेटी सदस्य कामरेड ईश्वरी प्रसाद कुशवाहा ने कहा कि भाजपा सरकार देश को सेंगोल के हिसाब से चलाना चाहती है, इसलिए लगातार देश के संविधान पर हमला कर रही है। संविधान में संशोधन कर जनता के अधिकारों से वंचित किया जा रहा है, और लोकतंत्र को खत्म कर देश में अघोषित आपातकाल थोप दिया गया है। प्रदेश में आज कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गया है, आये दिन अपराधिक घटनाएं हो रही है। विपक्ष के नेताओं, कार्यकताओं, बुद्धिजीवियों, लेखकों को डराया धमकाया जा रहा है, उसके उपर फर्जी मुकदमा दर्ज जेल भेजा जा रहा है

और उन्हें अपराधी सरेआम गोली मार रहे है। आज प्रदेश में हर तरह से बाबा का बुलडोजर गरीबों पर चल रहा है। कुर्रा में बनवासी समाज के लोगों को भू माफिया घोषित कर उनके घरों को गिरा दिया गया, ग्राम बभनौलिया के गोरख बनवासी और मंगरू कनौजिया को थाना नगसर हाल्ट की पुलिस फर्जी चोरी की घटना के नाम पर गिरफ्तार कर थाना में थाना अध्यक्ष ने बर बर पिटाई करते हुए अधमरा कर दिया वह आज भी जीवन और मौत से जूझ रहे है। ग्राम गहमर में शौच के लिए जा रही अतिपिछड़ी जाति की महिला को दबंगों ने जान लेवा हमला किया है और वही पर दबंगों ने कान्ता बिन्द को मार मार कर दोनों हाथ पैर तोड़ कर तीनों भाइयों का घर और जमीन दबंगई के बल पर जबरदस्ती कब्जा कर लिया है। जिसमें पुलिस दबंगों के उपर उचित कानूनी कार्रवाई नहीं कर पाई जिससे दबंगों मनोबल और बढ़ा हुआ है और गरीब दहशत में जी रहा है। मोदी जी एक देश एक टैक्स की बात करते हैं, पंजाब, कर्नाटक व दिल्ली में घरेलू और कृषि बिजली फ्री है जबकि उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा महंगी बिजली मिलती है। एमएसपी गारंटी कानून बनाने से भाजपा सरकार लगातार पिछे भाग रही है, जिले में देश की बड़ी अफीम फैक्ट्री है यहां के किसान नगदी खेती के तौर पर बड़े पैमाने पर अफीम की खेती करते थे। आज सरकारे किसानों से छिन कर अब अफीम की खेती दुसरे प्रदेशो मे करा रही है जिसपर जिले के सांसद व विधायक मौन है। भाजपा सरकार आजादी का 75वां अमृत महोत्सव मना रही है, आज भी गरिबों की हालत यह है कि उनके पास घर तक नहीं है, तीन तीन, चार चार परिवार एक छोटे से घर में जानवरों से भी बद्तर जीवन जी रहा है। सभा को सम्बोधित करते हुए भाकपा माले जिला सचिव कामरेड शशीकांत कुशवाहा ने कहा कि मौजा सरैला में बाबा गुप्तेश्वर नाथ की भूमि पर हलका लेखपाल व तहसील के आला अधिकारियों की मिली भगत से दबंगों ने कब्जा कर लिया है। उस जमीन को दबंगों से खाली कराने में तहसील प्रशासन की हाथ पांव फूल रहा है। आगे गोरख बनवासी और मंगरू कनौजिया को थाना नगसर हाल्ट बर बर पिटाई करने वाले नगसर थाना प्रभारी के उपर उचित कानूनी कार्रवाई नहीं हुई तो जिला मुख्यालय पर भूख हड़ताल पर बैठा जाएगा। सभा को प्रमुख रूप से कामरेड ईश्वरी प्रसाद कुशवाहा, शशिकांत कुशवाहा, रोहित बिन्द, भरथ राम, गोरख राजभर, सतेन्द्र प्रजापति, विजय कुमार, अनिल कुमार, नेतिया बनवासी, चन्द्रावती देवी, रामनाथ बनवासी, सगीर अहमद, सदानंद मौर्य, रामाशंकर राजभर, उमा भारती, आदि लोगों ने सम्बोधित किया। अध्यक्षता रामप्रवेश कुशवाहा व संचालन रोहित बिन्द ने किया।

मानव ज्ञान को दिशा प्रदान करता है शोधः गौरव राव

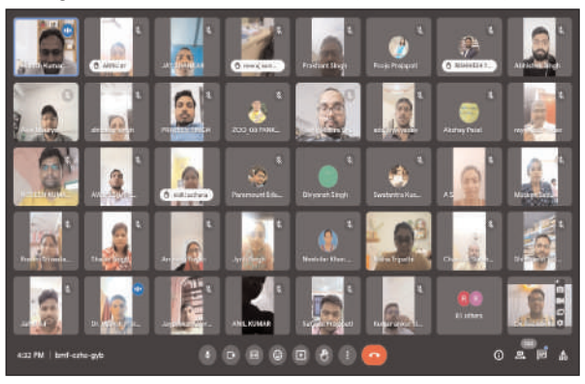

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के संकाय भवन में प्री पीएचडी कोर्स वर्क कक्षा में रिसर्च मेथाडोलॉजी पर विस्तार से चर्चा हुई। इस अवसर पर महात्मा

ज्योतिबा फुले रूहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली के एजुकेशन विभाग के आचार्य डॉ गौरव राव ने रिसर्च मेथोडोलॉजी के उद्देश्य और महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शोध मानव ज्ञान को दिशा प्रदान करता है तथा ज्ञान भण्डार को विकसित एवं परिमार्जित करता है। इस अवसर पर विज्ञान संकाय में प्री-पीएचडी कोर्स वर्क अध्ययन केंद्र जिसमें बॉयोटेक्नोलॉजी, नैनो साइंस, प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान विषय के शोधार्थी पंजीकृत है और अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय पर भूगोल, राजनीति विज्ञान एवं गणित विषय के पंजीकृत शोधार्थी उपलब्ध रहे है। शोधार्थियों के कई प्रश्नों के उत्तर देकर उनकी जिज्ञासा की पूर्ति की गई।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं